डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

प्रयागराज से प्रकाशित. हम बनेंगे आपकी आवाज हिन्दी दैनिक

Website : www.jhuggijhopri.com www.jjnews.in प्रयागराज,शनिवार.12 नवंबर,2022 वर्ष—07 / अंक—182 प्रष्ठ—08 / मूल्य—2 रूपये

बेंगलुरु में बोले पीएम मोदी- अब भारत रुक-रुककर नहीं चलेगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनावी दौरे के बाद आज कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु पहुंचे जहां उन्होंने केएसआर रेलवे स्टेशन पर पांचवीं वंदे भारत एक्सप्रेस व भारत गौरव काशी दर्शन ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद पीएम मोदी ने केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 का उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने नादप्रभु केम्पेगौड़ा की 108 फीट की प्रतिमा का अनावरण भी किया। इसके बाद पीएम मोदी ने एक जनसभा को भी संबोधित किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि भारत अब रुक—रुककर नहीं चलने वाला है। भारत अब तेज दौड़ना चाहता है। दुनिया में हिंदुस्तान की एक अलग पहचान बनी है। आने वाले 8—10 सालों में हम भारतीय रेल के कायाकल्प को बदलने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

आज शुरू हुई वंदे भारत एक्सप्रेस केवल एक ट्रेन नहीं बल्कि ये नए भारत की नई पहचान

पीएम मोदी ने कहा कि आज शुरू हुई वंदे भारत ट्रेन केवल एक ट्रेन नहीं है बल्कि ये नए भारत की नई पहचान है। 21वीं सदी में भारत की ट्रेन कैसी हो, ये उसकी एक झलक है। वंदे भारत एक्सप्रेस इस बात का प्रतीक है कि भारत अब रूक—रूक चलने वाले दिनों को पीछे छोड़ चुका है।आज पूरी दुनिया में, भारत में निवेश के लिए अभूतपुर्व विश्वास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया में, भारत में निवेश के लिए जो अभूतपुर्व विश्वास बना है उसका बहुत बड़ा लाभ कर्नाटक को भी मिल रहा है। पिछले तीन साल जब पूरी दुनिया कोरोना से प्रभावित रही तब कर्नाटक में लगभग 4 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ।

दुनिया में भारत की पहचान स्टार्ट अप्स के लिएरू पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया में भारत की पहचान स्टार्ट अप्स के लिए है और भारत की इस पहचान को सशक्त करने में बड़ी भूमिका बेंगलुरु की है। स्टार्ट अप्स सिर्फ एक कंपनी भर नहीं होता है। स्टार्ट अप्स एक विश्वास होता है, हर उस चुनौती के समाधान का जो देश के सामने है।

हमारी सरकार में एयरपोर्ट्स की संख्या दोगुनी हो गई

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार देश में नए एयरपोर्ट्स का भी निर्माण करा रही है। 2014 से पहले देश में लगभग 70 के आसपास एयरपोर्ट्स थे। अब इनकी संख्या 140 से ज्यादा हो गई है। बढ़ते हुए ये एयरपोर्ट्स, हमारे शहरों का बिजनेस पोटेन्शियल बढ़ा रहे हैं। नौजवानों के लिए नए अवसर भी बना रहे हैं।

केम्पेगौड़ा की 108 फीट की कांस्य प्रतिमा का किया अनावरण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनावी दौरे के बाद दक्षिण भारत की यात्रा पर हैं। वह आज कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु पहुंचे जहां राज्यपाल थावरचंद गहलोत, सीएम बसवराज बोम्मई, केंद्रीय मंत्री और भाजपा के धारवाड़ के सांसद प्रल्हाद जोशी ने उनका स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम के बाद उन्होंने कवि कनक दास और महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने बंगलूरू के केएसआर रेलवे स्टेशन पर पांचवीं वंदे भारत एक्सप्रेस व भारत गौरव काशी दर्शन ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद पीएम मोदी ने केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 का उद्घाटन किया। इसे करीब 5,000 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है। इससे एयरपोर्ट की क्षमता 2.5 करोड़ यात्री प्रति वर्ष से बढ़कर 5—6 करोड़ हो जाएगी। करीब 2.5 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले इस टर्मिनल के गेट लाउंज में 5,932 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था होगी।

तीन घंटे में पूरा होगा चेन्नई से बंगलूरू तक का सफर

मैसूर से चेन्नई जाने वाली वंदे भारत ट्रेन दक्षिण भारत की पहली सेमी—हाई स्पीड ट्रेन होगी। रेलवे अधिकारियों

के अनुसार, बंगलूरू से चेन्नई के लिए शताब्दी एक्सप्रेस, बृंदावन एक्सप्रेस और चेन्नई मेल जैसी कई ट्रेनें हैं। हालांकि स्पीड और सुविधाओं के मामले में इस लाइन पर अपने आप में एक अनोखी ट्रेन होगी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बुधवार को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से एक प्रमाण पत्र के साथ ट्वीट कर कहा था कि हमारे लिए गर्व की बात है कि स्टैच्यू ऑफ प्रॉस्पेरिटी वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के अनुसार किसी शहर के संस्थापक की पहली और सबसे ऊंची कांस्य प्रतिमा है।

बंगलूरू के संस्थापक केम्पेगौड़ा को श्रद्धांजलि।

केम्पेगौड़ा की 108 फीट की प्रतिमा का किया अनावरण

पीएम मोदी ने नादप्रभु केम्पेगौड़ा की 108 फीट की प्रतिमा का भी आज अनावरण किया। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के अनुसार, किसी शहर के संस्थापक की यह पहली और सबसे ऊंची कांस्य प्रतिमा है। इसे समृद्धि की मूर्ति कहा जाता है और बंगलूरू के विकास की दिशा में शहर के संस्थापक केम्पेगौड़ा के योगदान को याद रखने के लिए बनाया गया है।

यहां देखें वीडियो...

हवाईअड्डे पर 220 टन वजनी प्रतिमा स्थापित की गई

केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर 220 टन वजनी प्रतिमा स्थापित की गई है। इसमें चार टन वजनी तो सिर्फ तलवार ही है। प्रतिमा के अलावा, परियोजना में 16वीं शताब्दी के सरदार को समर्पित 23 एकड़ क्षेत्र में एक विरासत थीम पार्क है, जिसकी कुल लागत लगभग 84 करोड़ रुपये है। पूर्ववर्ती विजयनगर साम्राज्य के तहत एक सामंती शासक केम्पेगौड़ा ने 1537 में बेंगलुरु की स्थापना की थी। वह वोक्कालिगा समुदाय के बीच सम्मानित हैं, जो पुराने मैसूर और दक्षिणी कर्नाटक के अन्य हिस्सों में अधिक संखया में हैं। प्रसिद्ध मूर्तिकार और पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित राम वनजी सुतार ने प्रतिमा को डिजाइन किया है। सुतार ने गुजरात में श्स्टैच्यू ऑफ यूनिटीश और बंगलूरू के विधान सौध में महात्मा गांधी की प्रतिमा बनाई थी। अनावरण के अग्रदूत के रूप में राज्य भर में 22,000 से अधिक स्थानों से श्मृतिकश (पवित्र मिट्टी) एकत्र किया गया था, जिसे मूर्ति के चार टावरों में से एक के नीचे मिट्टी के साथ प्रतीकात्मक रूप से मिश्रित किया गया। 21 विशेष वाहनों ने पिछले दो सप्ताह के दौरान गांवों, कस्बों और शहरों सहित पवित्र मिट्टी एकत्र की थी।

आंध्र प्रदेश रू 6 लेन के कॉरिडोर की रखेंगे आधारशिला 12 नवंबर को पीएम आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 10,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और आधारशिला रखेंगे। वह छह लेन के ग्रीनफील्ड रायपुर—विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कोरिडोर के आंध्र प्रदेश सेक्शन की आधारशिला रखेंगे।

संक्षिप्त सार

हिमाचल में इन प्रत्याशियों के बीच है मुकाबला

हिमाचल प्रदेश में कल यानी 12 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है। 68 सीटों पर कुल 412 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। सुबह आठ बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और शाम पांच बजे तक मतदान का समय निर्धारित किया गया है। मुख्य चुनाव अधिकारी मनीष गर्ग के अनुसार 157 मतदान केन्द्रों पर केवल महिला कर्मचारी ही तैनात रहेंगी। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ने सभी सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए हैं, जबकि आम आदमी पार्टी ने 67 सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। इसके अलावा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के 11, बहुजन समाज पार्टी के 13, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का एक उम्मीदवार भी चुनावी मैदान में है।

PM बोले- देश का भविष्य युवाओं की कैन डू पीढ़ी के हाथों में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को तमिलनाडु पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने उनका स्वागत किया। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधीग्राम में रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने लोगों का अभिवादन किया। वे उन्होंने गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, डिंडीगुल के 36वें दीक्षांत समारोह में संगीत उस्ताद इलियाराजा को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की। समारोह में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और राज्यपाल आरएन रवि मौजूद रहे। गांधीवादी मूल्य तेजी से प्रासंगिक होते जा रहे हैंरू मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं आज उन सभी महान बुद्धिजीवियों को बधाई देता हूं जिन्होंने आज अपना पाठ्यक्रम पूरा किया है और साथ ही उनके माता—पिता भी जिनके बलिदानों ने आखिरकार इसे संभव बनाया है।

भारत जोड़ो यात्रा में कार्यकर्ता की मौत

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का आज 65 वां दिन है। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में यह पांच दिनों से जारी है। शुक्रवार दोपहर बाद यह पड़ोसी हिंगोली जिले में पहुंची। हिंगोली में ही शिवसेना (उद्धव बाला साहब ठाकरे) के नेता आदित्य ठाकरे ने यात्रा में राहुल गांधी का साथ दिया।

जानकारी के मुताबिक, आदित्य ठाकरे महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे, शिवसेना विधायक सचिन अहीर के साथ भारत जोड़ो पदयात्रा में शामिल हुए। राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। यात्रा आज 65 वें दिन में प्रवेश कर गई। 7 नवंबर की रात को यह पड़ोसी तेलंगाना प्रांत से महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के देगलुरु पहुंची थी। बीते पांच दिनों से यह नांदेड़ जिले में भ्रमण कर रही है। यात्रा शुक्रवार सुबह अर्धपुर के नांदेड़—हिंगोली रोड स्थित दाभाड़ से फिर शुरू हुई। आज दोपहर बाद यह चोरम्बा फाटा से शुरू होकर रात में हिंगोली पहुंचेगी। सुबह करीब छह बजे यात्रा दोबारा शुरू होने के बाद सड़क पर लोगों ने गांधी का स्वागत किया. रास्ते में कांग्रेस नेता ने स्थानीय निवासियों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की।

18 नवंबर को बुलढाणा के शेगांव में सभा

गांधी ने गुरुवार शाम को नांदेड़ में एक रैली को संबोधित किया था। वहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता और अभिनेता सुशांत सिंह मौजूद थे। गांधी 18 नवंबर को बुलढाणा जिले के शेगांव में अपनी दूसरी जनसभा को संबोधित करने वाले हैं।

20 नवंबर को मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी

महाराष्ट्र में यात्रा 14 दिनों तक भ्रमण करेगी। वह राज्य के 15 विधानसभा और 6 संसदीय क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। यह महाराष्ट्र के पांच जिलों में 382 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। यह 20 नवंबर को मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी।

यात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत, राहुल ने जताया शोक

यात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता व सहयात्री पी. गणेश का निधन हो गया। उनके निधन पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शोक जताया है। राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक फेसबुक पोस्ट में लिखा, ष्हमारे साथी यात्र पी गणेशन जी के निधन से गहरा दुख हुआ। वे कांग्रेस के एक प्रतिबद्ध कार्यकर्ता थे और पिछले 3 दशकों में पार्टी की हर यात्रा और अभियान में शामिल हुए थे। भारत जोड़ो यात्रा में हमने एक प्रिय साथी खो दिया है।

लड़के को खरगे ने उपहार में दिया लैपटॉप

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को यहां एक स्कूली छात्र सर्वेश हटने को उपहार में लैपटॉप दिया। सर्वेश महाराष्ट्र के नांदेड़ का रहने वाला है और उसकी इच्छा सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनने की है। राहुल गांधी ने सर्वेश से मुलाकात की। सर्वेश ने राहुल को बताया कि वह सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनना चाहता है, लेकिन उसने कभी कंप्यूटर नहीं देखा है। उसके स्कूल में भी कंप्यूटर नहीं है।

राजीव गांधी के हत्यारों को किस नियम की वजह से मिली रिहाई, 31 साल में कब क्या हुआ ?

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या में शामिल छह दोषियों की रिहाई का आदेश दिया है। इसके साथ ही इस मामले के सभी सात दोषी रिहा हो गए हैं। इसी साल मई में सुप्रीम कोर्ट ने एक अन्य दोषी एजी पेरारिवलन को आर्टिकल 142 का हवाला देते हुए रिहा किया था। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने कहा कि जिस नियम के तहत एजी पेरारिवलन को रिहाई दी गई थी, वो इस मामले में दोषी पाए गए अन्य पर भी लागू होती है। ये सभी आरोपी करीब 31 साल से जेल में बंद थे। बता दें कि राजीव गांधी की हत्या 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबुदूर में आत्मघाती बम धमाके में हुई थी। आइए जानते हैं कि कोर्ट ने जिस अनुच्छेद 142 के तहत आरोपियों को रिहा किया वो क्या है? राजीव गांधी की हत्या से लेकर अब तक इस मामले में क्या—क्या हुआ? आखिर कोर्ट ने क्यों इन दोषियों को रिहा कर दिया? राज्य सरकार ने किस नियम के तहत दोषियों की रिहाई की मांग की थी? पहले जान लीजिए पूरा मामला 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में चुनावी रैली के दौरान एक महिला आत्मघाती हमलावर ने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया था। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी मारे गए थे। महिला की पहचान धनु के तौर पर हुई थी। पुलिस ने इस मामले में कई लोगों को आरोपी बनाया था, जिनमें पेरारिवलन, मुरुगन, संथन, रविचंद्रन, रॉबर्ट पायस, जयकुमार और नलिनी श्रीहरन शामिल थे। 1998 में टाडा अदालत ने पेरारिवलन, मुरुगन, संथन और नलिनी को मौत की सजा सुनाई थी। राहत नहीं मिलने के बाद पेरारिवलन और अन्य दोषियों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। साल 1999 में सुप्रीम कोर्ट ने सजा को बरकरार रखा। 2014 में इसे आजीवन कारावास में बदल दिया गया। 2008 में जब जयललिता तमिलनाडु की मुख्यमंत्री थीं, तो उन्होंने कैबिनेट से सातों दोषियों की रिहाई के लिए प्रस्ताव पास किया। जिसे राज्यपाल को भेजा गया था। राज्यपाल ने उसे राष्ट्रपति के पास भेजा। तब से ये मामला लंबित था। 2018 में फिर से तमिलनाडु सरकार ने दोषियों की रिहाई के लिए प्रस्ताव पास करके राज्यपाल के पास भेजा था। इस बीच दोषी पेरारिवलन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। इसी साल मई में पेरारिवलन की याचिका पर सुनवाई करते हुए अनुच्छेद 142 का हवाला देते हुए रिहा कर दिया। इसके बाद अन्य छह दोषियों ने भी कोर्ट का दरवाजा खटखटा दिया। जिसपर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने शुक्रवार को पेरारिवलन के मामले में दिए गए फैसले को अन्य सभी दोषियों पर लागू करने का आदेश दिया। कोर्ट ने अपने फैसले में क्या कहा? पेरारिवलन के मामले में न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली पीठ ने अनुच्छेद—142 के तहत अपने विशेषाधिकार का इस्तेमाल किया था। पेरारिवलन को रिहा करने का आदेश देते हुए कोर्ट ने कहा था, श्राज्य मंत्रिमंडल ने प्रासंगिक विचार—विमर्श के आधार पर रिहाई का फैसला किया था। अनुच्छेद—142 का इस्तेमाल करते हुए, दोषी को रिहा किया जाना उचित होगा।इसके पहले 10 मई को सुनवाई करते हुए भी कोर्ट ने राज्यपाल की ओर से दया याचिका का निस्तारण न करने पर टिप्पणी की थी। कहा था, श्प्रथम दृष्टया राज्यपाल का यह फैसला गलत और संविधान के खिलाफ है क्योंकि वह राज्य मंत्रिमंडल

की सिफारिश से बंधे हैं। उनका फैसला संविधान के संघीय ढांचे पर प्रहार करता है। क्या है अनुच्छेद—142 जिसके तहत हुई दोषियों की रिहाई? संविधान में सुप्रीम कोर्ट को अनुच्छेद—142 के तौर पर एक विशेष शक्ति प्रदान की गई है। इसके तहत न्याय के लिए कोर्ट जरूरी निर्देश दे सकता है। अनुच्छेद—142 के मुताबिक जब तक किसी अन्य कानून को लागू नहीं किया जाता तब तक सुप्रीम कोर्ट का आदेश सर्वोपरि होगा। इसके तरह कोर्ट ऐसे फैसले दे सकता है जो लंबित पड़े किसी भी मामले को पूर्ण करने के लिए जरूरी हों। कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश तब तक लागू रहेंगे जब तक कि इससे संबंधित प्रावधान को लागू नहीं कर दिया जाता है।सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता चंद्रप्रकाश पांडेय कहते हैं, श्अनुच्छेद—142 के तहत कहा गया है कि किसी मामले में भले ही कोई कानून न बना हो, लेकिन पूर्ण न्याय की परिभाषा के तहत शीर्ष अदालत कोई आदेश पारित कर सकता है। जब दोषियों को उम्रकैद की सजा मिली तो रिहाई कैसे हो सकती है? दरअसल, कोई भी कैदी राज्य सरकार की निगरानी में होता है। ऐसे में राज्य सरकार देखती है कि किस कैदी का कैसा आचरण है। उम्रकैद की सजा पाने वाले कैदियों को कम से कम 14 साल जेल में रहना ही पड़ता है। हां, इसके बाद ये सजा 16 साल, 30 साल या ताउम्र भी हो सकती है। लेकिन, 14 साल के बाद अगर राज्य सरकार सजा खत्म करने अपील करती है तो उसकी सुनी जाती है। इस मामले में भी यही हुआ।

मा0 राज्यपाल महोदया का जनपद प्रयागराज का भ्रमण कार्यक्रम

मा0 राज्यपाल महोदया श्रीमती आनंदीबेन पटेल दिनांक 12 नवम्बर, 2022 को पूर्वान्ह 10:50 बजे पुलिस लाइन हेलीपैड, प्रयागराज आयेंगी। तत्पश्चात मा0 राज्यपाल महोदया पूर्वान्ह 11:00 बजे से अपरान्ह 13:00 बजे तक ज्वालादेवी सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज, सिविल लाइन, प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगी। मा0 राज्यपाल महोदया अपरान्ह 13:15 बजे लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगी।

संगठन संरचना मे हम सब की भूमिका कार्य पद्धति से विश्व में कीर्तिमान स्थापित कर रही सरकार-ओंकार नाथ केसरी

प्रयागराज 11 नवम्बर 2022। भारतीय जनता पार्टी यमुनापार किसान मोर्चा का शुक्रवार को एक दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग जारी बाजार जिलाध्यक्ष अरूण कुमार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

उद्घाटन सत्र के वक्ता के वक्ता पूर्व विधायक प्रभा शंकर पाण्डेय ने भाजपा के इतिहास, विकास व हमारा विचार, परिवार पर दो सत्रों पर कार्यकर्ताओं को गुरू और शिक्षक के रूप मे प्रशिक्षण देते हुए कहा भाजपा किसानों के उत्थान के लिये समर्पित है। हम सब कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण सदमार्ग पर चलते हुए समाजसेवा की प्रेरणा देती है। भाजपा जिला प्रभारी ओंकार नाथ केसरी ने तीसरे सत्र के वक्ता के रूप में विचारो को व्यक्त करते हुए कहा भाजपा की संगठन संरचना हमारी भूमिका और कार्य पद्धति आज विश्व में कीर्तिमान स्थापित कर अंतिम पायदान पर खड़े लाखों करोड़ों का उत्थान कर विश्वगुरु पुनः बनने की ओर अग्रसर है। हमारी कार्यपद्धति के कारण ही देश मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश मे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विकासवादी सरकार है।

चौथे व समापन सत्र के वक्ता के रूप में काशी क्षेत्र शोशल मीडिया प्रभारी ज्ञानेश जोशी ने केन्द्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियां और किसान मोर्चा की भूमिका में प्रकाश डालते हुए कहा प्रशिक्षण हमें समाज में खुद को स्थापित करते का एक सशक्त माध्यम है। देश–प्रदेश के विकास जो भाजपा सरकार में कीर्तिमान स्थापित कर रही है।वह कभी किसी ने सपने मे नही सोचा था।

भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्य ने अध्यक्षता करते हुए वक्ताओं एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त करते हुए कहा किसानो को सम्मान निधि के माध्यम से जो सम्मान मिला वह मील का पत्थर साबित हो रहा है। यह जानकारी देते हुये किसान मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी गिरीश कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि संचालन जिला महामंत्री तारा शंकर पाण्डेय और जिला महामंत्री आदेश सिंह ने किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राजेश शुक्ला, सेवा लाल,हृदयेश मिश्रा, वीरेंद्र पटेल,सुधीर साहू बउवा, मुकेश पाण्डेय, गिरीश कुमार चतुर्वेदी,अभिषेक मौर्य,नीरज द्विवेदी,अशोक सिंह, राकेश सिंह अभिषेक शुक्ला आदि जिला पदाधिकारी,जिला कार्यसमिति सदस्य,मंडल अध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

समाज कल्याण विभाग द्वारा निर्धन मेधावी छात्रों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्नातक छात्रों हेतु संचालित डा0 भीमराव अम्बेडकर छात्रावास

समाज कल्याण विभाग द्वारा निर्धन मेधावी छात्रों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्नातक छात्रों हेतु संचालित डा0 भीमराव अम्बेडकर छात्रावास(बालक) चॉदपुर सलोरी व परास्नातक छात्रों हेतु राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास (बालक) चौथम लाइन प्रयागराज की 70 प्रतिशत सीटों पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति तथा 30 प्रतिशत सीटों पर अन्य पिछड़े वर्ग एवं सामान्य वर्ग के छात्रों के प्रवेश के लिये आवेदन पत्र आमन्त्रित किया जा रहा है। प्रयागराज विश्वविद्यालय एवं संघटक महाविद्यालयों से शैक्षिक सत्र 2022–23 में नियमित विद्यार्थी के रूप में प्रविष्टि वे छात्र जिन्होंने 10+2 परीक्षा–2022 में उत्तीर्ण किये हो एवं सी0यू0टी0 कॉमन परीक्षा उत्तीर्ण एवं स्नातक पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण छात्र छात्रावास कार्यालय से दिनांक 14.11.2022 से दिनांक 25.11.2022 तक अपनी फीस रसीद एवं सी0यू0टी0 अंकपत्र दिखाकर प्राप्त कर सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे गये आवेदन पत्र सभी संलग्नकों के साथ सम्बन्धित डीन विद्यार्थी कल्याणध्प्राचार्य से प्रमाणित कराके दिनांक 30.11.2022 तक सम्बन्धित छात्रावास कार्यालय में जमा किये जा सकते हैं।

जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री त्रिनेत्र कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है

जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री त्रिनेत्र कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत मुख्य विकास अधिकारी, प्रयागराज की अध्यक्षता में शुक्रवार को नगर आयुक्त नगर निगम, समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं समस्त अधिशाषी अधिकारी(न0पं0) की गूगलमीट के माध्यम से बैठक आहूत की गयी है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बैठक में माह दिसम्बर, 2022 के प्रथम सप्ताह में सामूहिक विवाह का आयोजन समस्त निकायों में आयोजित कराये जाने हेतु अपेक्षा की गयी। तत्क्रम में बैठक में प्रतिभाग कर रहे समस्त अधिकारियों द्वारा सर्वसम्मति से दिनांक 01.12.2022 को सामूहिक विवाह का आयोजन कराये जाने हेतु निर्णय लिया गया। जनपद में 1265 जोड़ों हेतु धनावंटन प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का आयोजन मेगा इवेंट के रूप में कराये जाने हेतु अपने आवेदन पत्र सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय में सम्पर्क स्थापित कर आवेदन पत्र प्राप्त करते हुए समस्त आवश्यक प्रपत्रों सहित आवेदन पत्र जमा करें, ताकि उपर्युक्त शुभ मुहूर्त की तिथि में इच्छुक जोड़ों का विवाह कार्यक्रम सम्पन्न कराया जा सके।

विज्ञापन दर
समाचार पत्र का साइज 25x32
फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।
अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626

तय समय पूरा,फिर भी काम अधूरा

गोरखपुर–वाराणसी फोरलेन के निर्माण के लिए निर्धारित समय सीमा पूरी होने के बाद भी निर्माण कार्य अब भी अधूरा है। विभाग के जिम्मेदारों का कहना है कि आमी क्षेत्र में पुल निर्माण कार्य की वजह से विलंब हो रहा है, इसे मार्च तक पूरा करा लिया जाएगा। वहीं, बड़हलगंज के पास सरयू नदी पर बन रहे पुल के पूरा होने में अभी 8 महीने और लगेंगे। उसके बाद ही फोरलेन का काम पूरा होगा।

बता दें गोरखपुर–वाराणसी फोरलेन का शिलान्यास 2016 में तत्कालीन सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कौड़ीराम में किया था। उन्होंने कहा था कि फोरलेन तीन साल में बन कर तैयार हो जाएगा। लेकिन, छह साल बीतने के बाद भी सड़क बनकर तैयार नहीं हो पाई। इतना ही नहीं महावीर छपरा के पास सड़क का निर्माण इतना घटिया हुआ कि सड़क धंसने लगी। इसकी शिकायत हुई तो सड़क को तोड़कर दोबारा बनाया जा रहा है। लेकिन, अब तक काम पूरा नहीं हो पाया। सबसे विकट स्थिति आमी क्षेत्र की है। यहां पर पांच पुलों का निर्माण कराया जा रहा है। कसिहार चौराहे के आगे एक पुल बन रहा है उसका काम अभी अधूरा है।

यहां पुल के पास सड़क और रेलिंग का काम भी पूरा नहीं हो पाया है। यहां एक लेन से वाहनों का आना जाना हो रहा है। वहीं दूसरा पुल जो बिजरा पुल के नाम से जाना जाता है, उसके पास बारिश में सड़क धंस गई। यहां फिर से सड़क बननी है। एक लेन से यहां भी वाहन आ जा रहे हैं। इसी तरह नकबैठा पुल के पास एक लेन से वाहन आ जा रहे हैं।

एनएचएआई परियोजना प्रबंधक भवेश अग्रवाल ने कहा कि गोरखपुर–वाराणसी फोरलेन का काम गाजीपुर तक गोरखपुर डिवीजन के पास है। मऊ से गाजीपुर तक फोरलेन का काम दिसंबर में पूरा हो जाएगा। आमी नदी के क्षेत्र में फोरलेन का कार्य दिसम्बर तक तथा सभी पुलों का कार्य मार्च तक पूरा होगा। जहां तक घाघरा नदी पर बन रहे पुल की बात है तो छह से सात महीने में एक तरफ से चालू कर दिया जाएगा।

आयुष कॉलेजों में फर्जीवाड़ा कर प्रवेश लेने वाले 891 विद्यार्थी होंगे बर्खास्त

प्रदेश के आयुष कॉलेजों में फर्जीवाड़ा कर प्रवेश लेने वाले 891 निलंबित विद्यार्थियों को महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय ने बर्खास्त करने का फैसला लिया है। साथ ही इन छात्रों को इनरोलमेंट नंबर जारी करने पर रोक लगा दी है। जिन छात्रों के इनरोलमेंट नंबर जारी कर दिए गए हैं, उन्हें निरस्त करने का फैसला लिया गया है। अब तक प्रदेश के 12 कॉलेजों ने 200 से अधिक निलंबित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय प्रशासन को उपलब्ध करा दी है।

जानकारी के मुताबिक, प्रदेश के 104 सरकारी और निजी कॉलेजों को मिलाकर आयुष, यूनानी और होम्योपैथी की 7338 सीटें हैं। इन सीटों पर इस बार नीट काउंसिलिंग के जरिए प्रवेश हुआ है। लेकिन, प्रवेश के बाद रजिस्ट्रेशन और फार्म भरने की प्रक्रिया के दौरान 891 छात्र ऐसे मिले, जिन्होंने कागजों में हेर–फेर कर प्रदेश के कॉलेजों में सत्र 2021–22 में दाखिल ले लिया।

इनके बारे में आयुर्वेद निदेशालय को सूचना दी गई। जांच में पता चला कि इनमें 22 छात्र ऐसे हैं, जो नीट की प्रवेश परीक्षा में शामिल ही नहीं हुए थे, लेकिन इनका भी दाखिला आयुष कॉलेजों में हो गया है। कई अन्य छात्रों का दाखिला मेरिट में हेर–फेर के जरिए आयुष कॉलेजों में हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आयुष निदेशालय ने ऐसे 891 छात्रों को निलंबित कर दिया। वहीं, आयुष विश्वविद्यालय ने अब इन छात्रों के इनरोलमेंट नंबर जारी करने पर रोक लगा दी है। साथ ही बर्खास्त करने का फैसला भी लिया है।

104 में 85 कॉलेजों को मिली है मान्यता

महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के रजिस्टार आरबी सिंह ने बताया कि प्रदेश में 104 आयुर्वेदिक, यूनानी और होम्योपैथी कॉलेज हैं। इनमें 2021–22 के लिए 85 आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी कॉलेजों को मान्यता दे दी गई है। इनमें आयुर्वेद के 55 निजी और आठ सरकारी, यूनानी के नौ निजी और दो सरकारी, होम्योपैथी के दो सरकारी और दो निजी कॉलेज शामिल हैं। कुल 19 सरकारी और 69 निजी कॉलेजों को मान्यता दी गई है।

200 निलंबन छात्रों की मिली सूची

रजिस्टार आरबी सिंह ने बताया कि प्रदेश के 12 कॉलेज ऐसे हैं, जिन्होंने 200 ऐसे छात्रों की सूची भेज दी है, जिन्होंने फर्जीवाड़ा कर दाखिला लिया है। अन्य कॉलेज भी ऐसे छात्रों की सूची भेज रहे हैं। इन छात्रों के इनरोलमेंट नंबर पर रोक लगाने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

क्या है इनरोलमेंट नंबर

रजिस्टार आरबी सिंह ने बताया कि इनरोलमेंट नंबर एक तरह से छात्रों की यूनिक आईडी होती है। इसी आईडी से उनकी पहचान होती है। इनरोलमेंट नंबर जारी नहीं होने पर छात्रों की पढ़ाई अवैध मानी जाएगी और डिग्री भी मान्य नहीं होगी।

प्रदेश भर में फर्जीवाड़ा कर 891 छात्रों ने आयुष कॉलेजों में प्रवेश लिया है, जिन्हें निलंबित किया जा चुका है। अब इन सभी छात्रों को बर्खास्त करते हुए इनके इनरोलमेंट नंबर पर रोक लगा दी गई है। जिन्हें इनरोलमेंट नंबर जारी कर दिया गया है, उसे निरस्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। 200 बर्खास्त छात्रों की सूची अब तक विश्वविद्यालय को मिल चुकी है। अन्य कॉलेज छात्रों की सूची भेज रहे हैं। – आरबी सिंह, रजिस्टार, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय

अपहरण कर किशोरी से पांच दिनों तक सामूहिक दुष्कर्म

कुशीनगर जिले के बरवापट्टी थाना क्षेत्र में रहने वाली एक किशोरी का अपहरण कर पांच दिनों तक सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि दो युवक किशोरी का अपहरण कर उसे बिहार ले गए। हालत बिगड़ने पर पिता के पास छोड़कर आरोपी फरार हो गए। किशोरी का उपचार कराने के बाद पिता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। एसओ का कहना है कि तीन लोगों के खिलाफ तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बरवाट्टी थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली किशोरी के पिता ने पुलिस को तहरीर दी है। पिता ने पुलिस को बताया है कि दो नवंबर की रात उनकी नाबालिग बेटी घर से थोड़ी दूरी पर नित्यक्रिया के लिए गई थी। तभी बाइक सवार दो युवकों ने उसके मुंह और आंख में कपड़ा बांधकर अपहरण कर लिया। उसे धमकाकर किसी अज्ञात जगह पर ले गए। फिर वहां से उसे बिहार के रंगललही गांव के पास एक घर में ले जाकर बंधक बना लिया।

किशोरी को कमरे में बंद करके दोनों युवकों ने उसके साथ पांच दिनों तक सामूहिक दुष्कर्म किया। सात नवंबर की दोपहर किशोरी की हालत बिगड़ने पर दोनों ने युवकों ने पिता को फोन करके बुलाया। रात में नौ बजे बेटी की तलाश करते हुए पिता जब रंगललही गांव में पहुंचे। दोनों आरोपी किशोरी को उनके पास छोड़कर भाग गए। बेटी की हालत देखकर घबराए पिता ने उसका उपचार कराया। इसके बाद घर लौटकर घटना की सूचना पुलिस को दी।

किशोरी के पिता का आरोप है कि अपहरण के आरोपी दोनों युवक उनके बगलगीर महिला के रिश्तेदार हैं। महिला की मदद से ही दोनों युवकों ने किशोरी का अपहरण करके उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। इस संबंध में एसओ जितेंद्र कुमार टंडन ने बताया कि घटना की तहरीर मिली है। इस मामले की छानबीन की जा रही है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत शिक्षण संस्थान पात्र छात्र–छात्राओं के आवेदन पत्रों को 15 नवम्बर के अन्दर प्रत्येक दशा में ऑनलाइन अग्रसारित करना सुनिश्चित करें

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी श्री इन्द्रसेन सरोज ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि वर्ष 2022–23 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत छात्र/छात्राओं द्वारा ऑन–लाइन किये गये आवेदन पत्रों को शिक्षण संस्थाओं द्वारा अग्रसारित किये जाने की अन्तिम तिथि शासन द्वारा दिनांक 15 नवम्बर, 2022 निर्धारित की गयी है। उन्होंने जनपद के शिक्षण संस्थाओं को सूचित किया है कि पात्र छात्र–छात्राओं के आवेदन पत्रों को दिनांक 15 नवम्बर, 2022 के अन्दर प्रत्येक दशा में ऑनलाइन अग्रसारित करना सुनिश्चित करें। यदि शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा के अंदर शिक्षण संस्थाओं द्वारा पात्र छात्र/छात्राओं के आवेदन पत्रों को अग्रसारित नहीं किया जाता है, तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी सम्बंधित शिक्षण संस्थानों की होगी।

बीज शोधन से बढ़ती है फसल की पैदावार

फसल सुरक्षा हेतु जानकारी के लिए किसान भाई कृषि विभाग के व्हाट्सप नंबर 9452247111, 9452257111 अथवा उप कृषि निदेशक (कृषि रक्षा) के मो०न० 9415592498 पर भी सम्पर्क कर सकते है उप कृषि निदेशक (कृषि रक्षा) ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि वर्तमान समय में रबी फसलों की बुवाई शुरू हो चुकी है। उप कृषि निदेशक (कृषि रक्षा) प्रयागराज मण्डल गोपाल दास ने बताया कि बुवाई से पहले बीज शोधन से जहां फसलों मे रोग लगने की सम्भावना 30 प्रतिशत तक कम हो जाती है वहीं बीजों का जमाव एवं बढ़वार अच्छा होने के कारण फसल पैदावार भी बढ़ती है। दलहनी फसलों की हानिकारक बीमारी उकठा की रोकथाम हेतु 1 किग्रा. बीज का शोधन 5 ग्रा. ट्राइकोडर्मा (जैव रसायन) से करना चाहिए, यह जैव रसायन 75 प्रतिशत अनुदान पर विकास खंड स्थित कृषि रक्षा इकाइयों पर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। गेंहू व तिलहनी फसलों के 1 किग्रा. बीजशोधन हेतु कार्बेण्डाजिम 50ःच की 2 ग्रा. अथवा थीरम 75ःवै की 3 ग्रा. मात्रा पर्याप्त होती है। किसान भाई फसल सुरक्षा हेतु किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए कृषि विभाग के व्हाट्सप नंबर 9452247111 व 9452257111 अथवा उप कृषि निदेशक (कृषि रक्षा) के मो०न० 9415592498 पर भी सम्पर्क कर सकते है।

गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की मासिक बैठक 12 नवंबर 22 शनिवार को सायं 3 बजे से विकास भवन सभागार प्रयागराज में होगी

गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन प्रयागराज की मासिक बैठक 12 नवंबर 2022 दिन शनिवार को सायं 3 बजे से 6रू00 बजे तक विकास भवन सभागार जिला कलेक्ट्रेट प्रयागराज में होगी जिसमें सभी पेंशनर्स भाई बहन , संस्था के पदाधिकारी व सदस्यगण सादर आमंत्रित है बैठक में पेंशनर्स के कल्याण एवं स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर चर्चाएं होंगी साथ ही इस बार बैठक में कलेक्ट्रेट कोषागार और इंदिरा भवन कोषागार के अधिकारी भी भाग लेंगे तथा सदस्यों के जीवन प्रमाण पत्र जमा करेंगे सभी सदस्य अपने साथ फोटो, कोषागार द्वारा जारी पहचान पत्र, बैंक पासबुक, आधार कार्ड की प्रति आदि साथ लावे जिससे उस दिन आपका जीवन प्रमाण पत्र जमा हो सके, जिसके लिए आप सब की उपस्थिति प्रार्थनीय है यह सूचना मीडिया प्रभारी श्याम सुंदर सिंह पटेल ने अध्यक्ष जी की सूचना पर दिया है

केन्द्रीय नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान उ.प्र. बक्शी का तालाब लखनऊ के प्रांगण में आयोजित

दिनांक 11 नवम्बर को केन्द्रीय नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान उ.प्र.बक्शी का तालाब लखनऊ के प्रांगण में आयोजित भव्य समारोह में माननीय मन्त्री नागरिक सुरक्षा श्री ध र्मपाल सिंह, अपर मुख्य सचिव नागरिक सुरक्षा श्री राजन शुक्ला, पुलिस महानिदेशकधनिदेशक नागरिक सुरक्षा श्री मुकुल गोयल तथा कमान्डैन्ट केन्द्रीय नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान उ.प्र. श्री लव कुमार सिंह द्वारा नागरिक सुरक्षा प्रयागराज के उपनियन्त्रक श्री नरेन्द्र शर्मा जी, चिफ वार्डेन श्री अनिल गुप्ता जी के लखनऊ के भब्य सम्मान समारोह में उपस्थिती मे प्रयागराज के कर्नलगज प्रखण्ड पोस्ट 10 के पोस्ट वार्डेन राजेन्द्र कुमार तिवारी दुकानजी को उनके किये गये समाज मे सराहनीय कार्य के प्रती 2022 के लिये (उत्तर प्रदेश शासन प्रशस्ति पत्र) प्रदान कर सम्मानित किया गया प्रयागराज नागरिक सुरक्षा के लिये यह गौरव का विषय है साथ ही चौक प्रखंड के पोस्ट वारडेन मनी मेहरा जी को 2021 का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग

पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार ने केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। नवम्बर, 2021 में, माननीय राज्यमंत्री (पीपी) डॉ. जितेंद्र सिंह ने किसी भी एंड्रॉइड मोबाइल फोन के माध्यम से जीवन प्रमाणपत्र जमा करने के लिए फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक का शुभारंभ किया था। सभी पंजीकृत पेंशनभोगी संघों, पेंशन संवितरण बैंकों, भारत सरकार के मंत्रालयों और सीजीएचएस वेलनेस केंद्रों को निर्देश दिया गया है कि वे पेंशनभोगियों के श्सुविधापूर्ण जीवनश सुनिश्चित करने के लिए, जीवन प्रमाणपत्र जमा करने हेतु डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र/फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक को बढ़ावा देने के लिए विशेष शिविरों का आयोजन करें। इसी कड़ी में अवर सचिव के नेतृत्व में केंद्र सरकार की एक टीम प्रयागराज में थी। केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों के लिए प्रत्यक्ष कर भवन, एस. बी. आई, बमरौली शाखा, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में 11 नवम्बर, 2022 को एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया।

दिनांक 1.10.2022 से अब तक कुल 36,38,937 डीएलसी जनरेट किए गए, फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से कुल 1,93,768 डीएलसी जनरेट किए गए। केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों के लिए कुल 14,40,395 डीएलसी जनरेट किए गए तथा फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से कुल 1,20,145 डीएलसी जनरेट किए गए।

इस अभियान में पेंशनभोगियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि एक 92 वर्षीय पेंशनभोगी, श्री के. सी. गुप्ता भी फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से अपना जीवन प्रमाणपत्र जमा करने के लिए आए। उन्होंने इस नई तकनीक की शुरूआत पर अपनी प्रसन्नता और संतोष व्यक्त किया। अपने मोबाइल फोन में फेस ऑथेंटिकेशन जीवन प्रमाण ऐप डाउनलोड करने और अपने फोन से जीवन प्रमाणपत्र देने के संबंध में विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पेंशनभोगियों का मार्गदर्शन किया गया। जीवन प्रमाणपत्र 60 सेकंड के भीतर जेनरेट होता है और मोबाइल फोन पर एक लिंक भेजा जाता है जहां से इसे डाउनलोड किया जा सकता है। पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग, भारत सरकार द्वारा डिजिटल दुनिया में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। अवर सचिव, श्री दीपक गुप्ता ने बताया कि पहले जीवन प्रमाणपत्र व्यक्तिगत रूप से देने के लिए वृद्ध पेंशनभोगियों को बैंकों के बाहर कतारों में घंटों खड़ा होना पड़ता था। अब, यह उनके घर से ही आसानी से एक बटन के क्लिक पर संभव हो गया है।

मोबाइल द्वारा फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से जीवन प्रमाणपत्र जमा करने की प्रक्रिया में, आधार संख्या, ओटीपी के लिए मोबाइल नंबर, पीपीओ नंबर, बैंक/डाकघर के साथ खाता संख्या के बारे में ब्यौरे पहली बार आवश्यक हैं। यह सुविधा राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए भी उपलब्ध है।

इस कार्यक्रम में एस बी आई बैंक, प्रयागराज के अधिकारीगण श्री मनीष मठपाल, क्षेत्रीय प्रबंधक, श्री संजय शर्मा, मुख्य प्रबंधक, नीरज मालविय मुख्य प्रबंधक, पेंशनभोगी संघ, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय/एनआईसी और युआईडीएआई के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस अभियान की सफलता के लिए इन हितधारकों की भागीदारी अमूल्य थी। अवर सचिव ने आयोजन के दौरान सभी प्रतिनिधियों को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया।

विभाग फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से जीवन प्रमाणपत्र जमा करने के लिए पूरे नवंबर माह में अभियान

निर्माण कार्यो को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण किये जाने का दिया निर्देश

जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग के द्वारा ड्रमण्ड रोड(सिविल लाइन) में कराये जा रहे अतिथि गृह के निर्माण कार्य तथा एडीएम सिटी कार्यालय में कराये जा रहे मरम्मतीकरण के कार्य का निरीक्षण किया। अतिथि गृह के निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां पर टॉयलेट एवं बिजली की फिनिशिंग ठीक न मिलने पर नाराजगी जताते हुए सुधार करने के निर्देश दिए है। उन्होंने सम्बंधित अभियंता से टॉयलेट सहित अन्य कक्षों में लगायी गयी सामाग्री की जानकारी लेते हुए कहा कि गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जायेगा। उन्होंने सामाग्री की गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश दिए है साथ ही जिलाधिकारी ने अतिथि गृह की साज–सज्जा कराये जाने के लिए वहां पर पेड़–पौधों सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को कराये जाने के लिए कहा है। इस अवसर पर अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विधायक शहर पश्चिमी ने किसानों के सुझाव एवं उनकी समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के निर्देश दिया

प्रयागराज 11 नवंबर,2022 ।पूर्व कैबिनेट मंत्री व शहर पश्चिमी विधायक मा0 सिद्धार्थ नाथ सिंह को प्रयागराज प्रवास के दौरान आवास पर किसानों के एक प्रतिनिधि मंडल ने किसानों की समस्याओं को लेकर प्रार्थना पत्र दिया। किसानों के सुझाव एवं उनकी समस्याओं को गम्भीरता से सुना।

मा0 सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि किसानों के अनुभव व सुझाव सभी के लिए अनुकरणीय है। बीज, खाद, रसायनों की प्रयागराज जनपद में पर्याप्त उपलब्धता है। डी0ए0पी0 भी उपलब्ध है। किसी किसान को दिक्कत है तो कृषि अधिकारियों को अवगत कराएं न सुने,तो मुझे बताए। योगी सरकार ने किसानों को उर्वरक की प्राप्ति में कोई कठिनाई न होने पाए उसके लिए सुविधाएं उपलब्ध कराने का अधिकारियों को पहले से ही निर्देश दिए है। यदि किसानों के समक्ष उर्वरकों के क्रय में समस्या आएगी तो इस पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। यांत्रिक एवं विद्युत दोष से खराब नलकूपों को तत्काल ठीक कराने, नहरों की सफाई एवं टेल तक पानी पहुॅचाने के निर्देश दिए गए है।

मा0 सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि निजी नलकूपों के विद्युत बिलों पर किसानों को 50 प्रतिशत की छूट योजना सरकार ने दे रखी है। सिंचाई हेतु पानी की उपलब्धता के लिए इस वर्ष अमृत सरोवर के तहत तालाब के निर्माण भी प्रगति पर है।कई तालाब बन गए है। सब्जी एवं औषधि खेती के लाभ बताते हुए उन्होनें किसानों को सब्जी एवं औषधि खेती करने का सुझाव दिया इससे आय में बृद्वि होगी। मा0 विधायक जी ने कहा कि किसान खेती करें उनके उत्पाद के प्रोसेसिंग का कार्य सरकार करेगी। योगी सरकार ने किसानों के हितों और आय बढ़ाने के लिए कई योजनाओं से जोड़ रखा था, आगे बढ़कर योजनाओं से जुड़कर अपनी आय बढ़ाए।क्रय केंद्र जगह जगह खोले गए।क्रय केंद्र में अपनी उपज को बेचें।आपकी फसल का उचित मूल्य प्राप्त हो सकें।दलाल और बिचौलियों से बचें।सीधे सरकार द्वारा बनाए क्रय में जाकर अपनी उपज का मूल्य प्राप्त करें।किसान समूह उत्पाद संगठन बनाए। ज्यादा से ज्यादा जुड़कर सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं।इसके अलावा प्रयागराज स्थित अपने आवास पर लगभग 56 लोगों की जनसमस्याओं को सुना और उनके उचित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस मौके पर किसानों का प्रतिनिधित्व कर रहे राजेश सिंह पटेल,सतेंद्र मिश्रा,सरोज पटेल आदि रहे।

केन्द्रीय राज्यमंत्री का प्रयागराज रेलवे स्टेशन और सर्किट हाउस मे किया भाजपाईयों ने स्वागत अभिनन्दन

प्रयागराज। फग्गन सिंह कुलस्ते केंद्रीय राज्य मंत्री,ग्रामीण विकास भारत सरकार के शुक्रवार को प्रयागराज आगमन पर रेलवे स्टेशन एवं सर्किट हाउस में जिलाध्यक्ष विभव नाथ भारती एवं कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण करते हुए बुकें भेंटकर स्वागत अभिनंदन किया। जिलाध्यक्ष ने विभिन्न मुद्दों पर केन्द्रीय राज्यमंत्री मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते को को अवगत कराकर निराकरण की बात कही। जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया की सर्किट हाउस मे कुछ समय रूकने के बाद केन्द्रीय राज्यमंत्री सीधी मध्यप्रदेश के लिए रवाना हो गए। इस अवसर पर पप्पू गौतम ब्लॉक प्रमुख ऊरवा, श्याम मिश्रा,सलिल तिवारी,मुकेश शुक्ला,अवधेश पाण्डेय ,संदीप पाण्डेय ,रमेश रवाना ,प्रदीप तिवारी ,पिंटू निषाद,विनोद यादव,संजय भारती,महेश ,झल्लर प्रजापति,सहदेव पटेल,बुल्ले विश्वकर्मा,अजय हेला, सुधीर पासी,आलोक सिंह, मेदनी भूसड़ आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार में आज हिंदू होने का गौरव प्रतीत हो रहा है (गणेश केसरवानी)

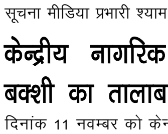

11 नवंबर प्रयागराज, भाजपा प्रयागराज महानगर किसान मोर्चा का प्रशिक्षण वर्ग कार्यशाला का आयोजन भाजपा कार्यालय सिविल लाइन में आयोजित किया गया प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम सत्र का उद्घाटन करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने भाजपा का इतिहास एवं विकास पर मार्गदर्शन देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का उदय राष्ट्र की संस्कृति का संरक्षण और उसके विकास के लिए हुआ इसके लिए हमारे पूर्वजों ने अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और जब जब देश और देश की संस्कृति के लिए जरूरत पड़ी तब तब उन्होंने सत्ता को ठोकर मारा और सिद्धांतों पर अडिग रहें और आज हमारे पूर्वजों के बलिदान त्याग और कार्यकर्ताओं के संघर्ष के बल पर भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनकर राष्ट्रवाद के कमल को खिलाकर भारत और भारत की संस्कृति का विकास कर रहे हैं उन्होंने कहा कि 2014 के बाद वास्तव में हमें सांस्कृतिक आजादी प्राप्त हुई है आज हर हिंदुओं को भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हिंदू होने का गौरव प्रतीत हो रहा है

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में भाजपा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता ने संगठन की संरचना में हमारी भूमिका के विषय पर विचार रखते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं के द्वारा भारतीय जनता पार्टी आज बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक संगठनात्मक संरचना का कार्य कर रही है जिसके बदौलत हम पार्टी के सिद्धांत उद्देश्य जन जन तक पहुंचा रहे हैं और पार्टी के प्रमुख छः पर्व और कार्य योजना के अनुसार आए हुए समस्त कार्यों को बूथ स्तर पर क्रियान्वित कर रहे हैं और और चुनाव के दृष्टिगत शक्ति केंद्र पन्ना प्रमुखों का गठन करके बूथ विजय अभियान को गति दे रहे हैं और आगे कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता देव तुल्य कार्यकर्ता है और राष्ट्रवाद का मॉडल है जो संगठन की संरचना में एक सिपाही की तरह कार्य करता है

कार्यक्रम के तृतीय एवं समापन सत्र में किसान मोर्चा के क्षेत्रीय कार्य विधि सदस्य सौरभ पांडे ने हमारा विचार परिवार एवं केंद्र में प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर विचार रखते हुए कहा कि अपने विचार परिवार के द्वारा हम समाज के अंदर एक मजबूत कड़ी बनकर खड़े हुए जिसके कारण आज पूरे देश और प्रदेश के अंदर राष्ट्रवाद का सूर्य उदय हुआ है और कहा कि केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार आज अंत्योदय के पथ पर चलकर सबका साथ सबका विकास और सब को विश्वास को लेकर कार्य कर रही है उनकी सारी योजनाएं आज गरीबों को बिना किसी बिचौलियों को प्राप्त हो रही है और उनका जीवन सुदृढ़ हो रहा है

मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अवसर पर वक्ताओं ने राम मंदिर निर्माण , काशी कॉरिडोर, महाकाल लोक, दिव्य कुंभ भव्य कुंभ, सोमनाथ मंदिर का सुंदरीकरण विंध्याचल कारीडोर, प्रयागराज का विकास, जन धन योजना ,गरीब कल्याण निशुल्क अन्न योजना, धारा 370 को हटाना, उज्जवला गैस योजना, सौभाग्य योजना ,किसान सम्मान निधि योजना , स्वनिधि योजना, स्वामित्व योजना, निशुल्क वैक्सीन योजना, आदि अन्य योजनाओं पर जिक्र किया गया

इस अवसर पर कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए किसान मोर्चा के अध्यक्ष राजेश सिंह पटेल ने आए हुए सभी वक्ताओं को अंगवस्त्रम पहना कर स्वागत एवं अभिनंदन किया

संचालन अंजनी कुमार ने किया

कार्यशाला में प्रमुख रूप से राजेश केसरवानी, संजय श्रीवास्तव ,प्रयाग दत्त गुप्ता, रोहित शर्मा, सुनील विश्वकर्मा प्रदीप पांडे, विशाल पाठक, नीरज शर्मा, शारदा ओझा , शिव मोहन, एवं किसान मोर्चा के सभी अधिकारी कार्य समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कर–करेत्तर की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को संगम सभागार में कर–करेत्तर की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने राजस्व विभागों के विभागवार राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा करते हुए वाणिज्यकर विभाग के राजस्व वसूली की प्रगति लक्ष्य के सापेक्ष कम पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने राजस्व वसूली की प्रगति ठीक न पाये जान पर सम्बंधित अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए राजस्व की वसूली में तेजी लाये जाने का निर्देश दिया है। आबकारी विभाग की राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने आबकारी विभाग के अधिकारियों को राजस्व वसूली बढ़ाये जाने के निर्देश दिए। इसी क्रम में परिवहन विभाग की समीक्षा करते हुए एआरटीओ प्रवर्तन का लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व की वसूली कम पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उनकों स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने परिवहन, वाणिज्य एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों को प्रवर्तन की कार्रवाई में तेजी लाते हुए लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है साथ ही साथ उन्होंने आर0सी0 पर भी प्रभावी कार्रवाई करते हुए वसूली सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है।

सम्पादकीय

आरबीआई के पायलट प्रोजेक्ट से जुड़ी उम्मीदें और भविष्य की संभावनाएं

पिछले दिनों भारतीय रिजर्व बैंक ने देश के पहले डिजिटल रुपी पायलट प्रोजेक्ट को थोक सेगमेंट में लॉन्च कर दिया है। इस डिजिटल रुपया को देश में लीगल टेंडर के तौर पर जारी किया गया। केंद्रीय वित्तमंत्री ने एक फरवरी, 2022 को केंद्रीय बजट पेश करते हुए डिजिटल मुद्रा के संबंध में घोषणा की थी। भारत अब विश्व के उन चुनींदा देशों में शामिल हो गया है, जो अपनी डिजिटल मुद्रा जारी कर चुके हैं। भारतीय समाज में पिछले दो–तीन दशकों में व्यावसायिक व व्यक्तिगत लेन–देन में टेक्नोलॉजी का उपयोग बड़ी तेजी से बढ़ा है। इसकी शुरुआत एटीएम कार्ड से हुई।

उसके बाद व्यक्तियों को अधिक से अधिक इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणाली से जोड़ने के लिए बैंकिंग व्यवस्था द्वारा समय–समय पर टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया। इसी के फलस्वरूप वर्ष 2004 में सबसे पहले आरटीजीएस, वर्ष 2005 में नेफ्ट, 2010 में आइएमपीएस, 2011 में सीटीएस, 2012 में एनएसीएच को बैंकिंग के तहत उपयोग में लाया जाने लगा। वित्तीय लेन–देन में टेक्नोलॉजी के उपयोग से कई फायदे सामने आने लगे, जिनमें मुख्यतः समय की बचत सबसे उपयोगी सुविधा बनी। इससे बैंकिंग सुविधाओं का उपयोग 24 घंटे संभव होने लगा।
काले धन पर अंकुश के अलावा, नोटबंदी का एक उद्देश्य अर्थव्यवस्था में डिजिटल लेन–देन को प्रोत्साहित करना भी था। उसी के परिणामस्वरूप यूपीआई भुगतान प्रणाली बड़ी तेजी से बढ़ी। विभिन्न ऑनलाइन एप्लीकेशन के माध्यम से मुद्रा का भुगतान किया जाने लगा। कोरोना महामारी के दौरान यूपीआई सिस्टम ने बड़े पैमाने पर भारतीय समाज को मुद्रा के डिजिटल लेन–देन में सहायता की। लेकिन आज भी भारतीय समाज में नकद मुद्रा का प्रचलन काफी ज्यादा है। रिजर्व बैंक द्वारा भारत के छह बड़े शहरों में किए गए एक सर्वे के मुताबिक, तकरीबन 41 प्रतिशत लेन–देन यूपीआई से हो रहे हैं, तो 55 प्रतिशत लेन–देन आज भी नकद मुद्रा के माध्यम से होते हैं।

एक रोचक बात यह सामने आई कि भारतीय समाज में इन दिनों नियमित खर्चों के भुगतान के लिए नकद मुद्रा तथा यूपीआई के उपयोग का प्रतिशत तकरीबन बराबर हो गया है। छोटे खर्चों के भुगतान के लिए लोगों की पहली प्राथमिकता नकद मुद्रा का उपयोग ही है। मुद्रा के नए डिजिटल प्रारूप सीबीडीसी लागू करने के पीछे मुख्य उद्देश्य नकद मुद्रा के प्रबंधन से संबंधित लागत को कम करना है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक अप्रैल 2021 से 31 मार्च, 2022 के दौरान केंद्र सरकार द्वारा मुद्रा की छपाई तथा रखरखाव, भंडारण व परिवहन पर तकरीबन 4,984 करोड़ रुपये खर्च हुए, जो पिछले वित्तीय वर्ष से करीब 1,000 करोड़ रुपये से अधिक है। अगर डिजिटल मुद्रा का प्रचलन बढ़ जाएगा, तो इस लागत को काफी हद तक कम किया जा सकता है। सीबीडीसी का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि भविष्य में सरकार अपनी सभी सामाजिक कल्याण योजनाओं के भुगतान के लिए इसी मुद्रा का उपयोग कर सकती है। डिजिटल मुद्रा को बैंक नोट में बदला जा सकता है। विदेशों में पैसे भेजने की लागत में कमी आएगी। इससे डिजिटल रुपये की वैल्यू मौजूदा मुद्रा के बराबर होगी। इस मुद्रा का एक चिंतनीय पक्ष यह है कि अगर इस मुद्रा पर ब्याज रूपी अतिरिक्त आय प्रचलन में नहीं रहेगी, तो आम व्यक्ति में इसके उपयोग के प्रति प्रोत्साहन कम रहेगा।
वहीं अगर इसमें ब्याज की आय को जोड़ा जाता है, तो निश्चित रूप से बैंकों की वित्तीय जमा में कमी आएगी तथा उसका प्रत्यक्ष नुकसान बैंकों द्वारा आम लोगों को दिए जाने वाले वित्तीय ऋण की तरलता पर पड़ेगा। हमारे मुल्क में आज भी समाज का एक बहुत बड़ा तबका बैंकिंग सुविधाओं से वंचित है। उसके पीछे कई कारण हैं, जिनमें बैंक शाखाओं की कमी के साथ–साथ वित्तीय साक्षरता तथा बैंकों में व्यक्तिगत वित्तीय खातों का न होना भी है। इसलिए वर्तमान संदर्भ में यह सोच वास्तविकता से परे है कि सीबीडीसी वित्तीय समावेशन के माध्यम से समाज के पिछड़े तबके को भी आर्थिक विकास की मुख्यधारा में ला पाएगी।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी

ऑस्ट्रेलिया में जारी टी–20 वर्ल्ड कप अपने अंतिम पड़ाव पर आ पहुंचा है। और इंग्लैंड के बीच खेला जाएगा। एडिलेड की पिच को बल्लेबाजों के लिए महत्वपूर्ण हो जाता है। टॉस जीतने वाली टीम निश्चित ही पहले फिल्डिंग करना

आज एडिलेड मैदान पर दूसरा सेमीफाइनल भारत अनुकूल माना जा रहा है, ऐसे में टॉस जीतना बड़ा चाहेगी, क्योंकि रनों से भरी पिच पर यदि टारगेट सेट हो जाए तो जीत थोड़ा आसान हो जाती है।
इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम की रणनीति देखें तो कप्तान रोहित शर्मा पिछली प्लेइंग इलेवन को जारी रखना चाहेंगे, जिसमें बल्लेबाजों और गेंदबाजों का एक संतुलन है, टीम में दो ऑलराउंडर भी हैं। ओपनिंग बल्लेबाजी कप्तान रोहित स्वयं के.एल. राहुल के साथ करेंगे। बांग्लादेश के खिलाफ जिस तरह से के.एल. राहुल ने हाथ खोले थे तो उनसे सेमीफाइनल में भी उम्मीद है कि वह टीम को एक अच्छी शुरुआत देंगे। प्रचंड फॉर्म में चल रहे विराट कोहली नंबर तीन और सूर्यकुमार यादव नंबर चार पर बल्लेबाजी करेंगे।
शविराटश पारी की उम्मीद वैसे, सबकी नजरें विराट कोहली पर रहने वाली हैं। विराट ने ग्रुप मैचों के 5 मुकाबलों में 138.98 की स्ट्राइक रेट से 256 रन बनाए हैं, जबकि दूसरे महत्वपूर्ण बल्लेबाज सूर्य कुमार यादव हैं, जो 5 मैचों में 225 रन बना चुके हैं और उनका स्ट्राइक रेट 193.6 का है। हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल की भूमिका टीम में बतौर ऑलराउंडर रहने वाली है। हार्दिक का स्थान तो तय है, अक्षर का रिप्लेसमेंट भी शायद टीम के पास नहीं है। वह भी प्लेइंग इलेवन में रहेंगे ही। नंबर पांच पर अक्षर या हार्दिक, दोनों में से कोई एक बल्लेबाजी कर सकता है। हालांकि, यह तय मैच की सिचुएशन को देखकर ही तय होगा।
विकेटकीपर को लेकर अभी थोड़ा सा असमंजस बना हुआ है, क्योंकि दिनेश कार्तिक अच्छी विकेटकीपिंग कर रहे हैं। हालांकि, अब तक उनका बल्ला नहीं चल पाया है। ऋषभ पंत को टीम मैनेजमेंट ने अब तक इस वर्ल्ड कप में एक मौका जिम्बाब्वे के खिलाफ दिया है। सेमीफाइनल में एक सरप्राइस के रूप में संभव है कि ऋषभ को स्थान मिल जाए। यदि ऋषभ को अंतिम 11 में रखा जाता है तो अंतिम ओवरों में धुआंधार बल्लेबाजी देखने को मिल सकती है।

डेमी मूर और स्कारलेट लेटर

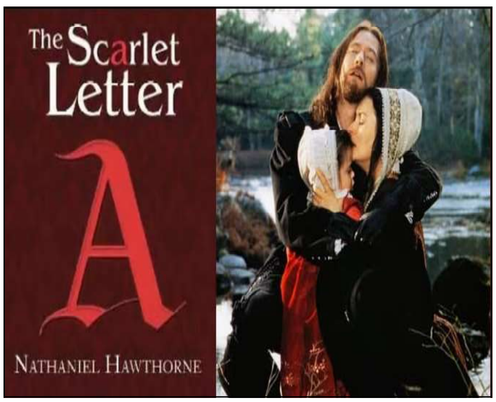

विश्व साहित्य को नैथेनियल हॉथर्न का उपहार है– हेस्टर प्रिन। करीब पौने दो सौ साल पहले प्रकाशित 'द स्कारलेट लेटर' की नायिका हेस्टर प्रिन को परदे पर कई निर्देशकों ने प्रस्तुत किया है। कई अभिनेत्रियों ने इस भूमिका को किया है। क्या आपने इस भूमिका में डेमी मूर को देखा है? अगर नहीं देखा है तो तत्काल देख लीजिए।
हेस्टर प्रिन, विवाहिता हैं, मगर संतान नहीं है। पति के न रहने पर स्वयं को विधवा समझते हुए एक व्यक्ति से उसका संबंध बनता है और वह मां बनती है। प्रिन का प्रेमी उसी समाज का एक बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति है मगर वह किसी को अपनी बच्ची के पिता का नाम नहीं बताती है। इस सनसनी मचाने वाले उपन्यासकार हॉथर्न को अमेरिका के सर्वोत्तम लेखक की संज्ञा मिली है।
हेस्टर प्रिन को व्यभिचार की सजा के तौर पर गले में 'ए' (अडल्ट्री) लटकाना होता है। बदचलनी का प्रतीक 'ए' उसके साथ नत्थी कर दिया जाता है। पति को जब पता चलता है तो वह पादरी और पत्नी दोनों को तंग करता है। प्रिन की कब्र पर 'ऑन ए ब्लैक बैकग्राउंड, द लैटर ए, इन रेड' मात्र इतना ही लिखा है। 1995 में डेमी मूर को नायिका बना कर रॉलैंड जोफे ने इसी नाम से फिल्म बनाई। फिल्म उपन्यास से काफी छूट लेकर बनाई गई है। हेस्टर प्रिन से पहले डेमी मूर को देख लिया जाए।
अमेरिका के न्यू मेक्सिको में 11 नवम्बर 1962 को चार्ल्स हरमोन तथा विर्जिनिया के घर डेमी का जन्म हुआ। डेमी के जन्म के पूर्व उसका पिता उसकी मां को छोड़ चुका था। उसका सौतेला पिता, डैनी ग्वान्स लड़की के जीवन में कोई विशिष्ट योगदान न कर सका। सौतेले पिता के अस्थिर जीवन, बार–बार काम बदलने से परिवार भी अस्थिर रहा। कभी न्यू मैक्सिको, कभी ओहायो और कभी वाशिंगटन घूमता रहा। माता–पिता शराब पीते, बहस करते और मारपीट करते।

'इनसाइड आउट' में बयां की जीवनगाथा

बचपन में बलात्कार की शिकार डेमी ने अपने जीवन को अपनी किताब 'इनसाइड आउट' में विस्तार से लिखा है। जल्द ही उसने स्कूल छोड़ दिया और 18 साल की उम्र में रॉक संगीतज्ञ फ्रेडी मूर से शादी की। शादी केवल चार साल टिकी, उसे कोकीन की लत लग गई, वह खब्बूस हो गई। तीन साल बाद उसने अपना इलाज कराया।
डेमी मूर टीवी, स्टेज पर काम कर रही थी फिल्मी दुनिया में सफल और एक सबसे मंहगी अभिनेत्री का जीवन बहुत उथल–पुथल वाला रहा। शुरुआत से उसे ऐसी भूमिकाएं ('ब्लेम इट ऑन रिओ', 'अबाउट लास्ट नाइट...') मिलीं जहां उसे कपड़े उतारने थे और उसने वे भूमिकाएँ कीं, खूब नाम कमाया। वैनिटी फेयर पत्रिका के कवर पर उसका गर्भवती नग्न फोटो अभी भी लोग भूले नहीं होंगे। उसका शरीर ही उसका मूल्य था।
जॉन बेरी के संगीत से सजी, जोफे की फिल्म 'द स्कारलेट लेटर' में डेमी कई बार कपड़े उतारती है। जब नायिका सेलम आती है तो वह लेस लगे बहुत बढ़िया कपड़े और काला कुलीन हैट पहने हुए है। नाव से उसके उतरे खूब सारे सामान के साथ लकड़ी का एक बाथटब भी है। इससे जाहिर है कि बाथटब है तो नायिका नहाएगी और नहाएगी तो कपड़े भी उतारेगी। वैसे इस फिल्म में एक नहीं दो औरतें नग्न नहाती हैं। गुलाम मूक सहायिका मिटुबा हेस्टर प्रिन के स्नान की तैयारी करती है।
हेस्टर पादरी का ध्यान करती हुई स्नान करती है, स्नान का पूरा दृश्य बहुत उत्तेजक, बहुत मादक है। फिल्म में पादरी के शरीर के विषय में नायिका मादक कल्पना करती है। जब पादरी और हेस्टर केलीक्रीड़ा में मग्न हैं तब भी मिटुबा उन्हें छिप कर देखती है, वह कपड़े उतार कर अपनी मालकिन के बाथटब में लेटती है, हस्तमैथुन करती है। श्वेत–अश्वेत समलैंगिक संबंध का संकेत उपन्यास में कहीं नहीं है, जबकि यह फिल्म इसका संकेत ही नहीं देती बल्कि काफी कुछ दिखाती भी है।
एक्शन से भरपूर सवा दो घंटे की इस फिल्म में पादरी डिम्सडेल (गेरी ओल्डमैन) को रोमांटिक रूप में प्रस्तुत किया गया है। वह गर्म खून, जीवन और सेक्स से भरा हुआ एक हीरो है। उपन्यास की भांति वह कमीना और अपराधबोध से घिरा हुआ नहीं है। कमजोर है, साथ ही प्रेमी भी है। वह नहीं मानता है कि हेस्टर प्रिन से संबंध स्थापित करके उसने कोई पाप किया है।
वह यौन स्वतंत्रता की बात करता है, धार्मिक सहनशीलता की दुहाई देता है। उसे अपराध बोधा अनुभव नहीं होता है। वह मरता भी नहीं है बल्कि हेस्टर के गले से फंदा उतार कर अपने गले में डाल लेता है। उसकी बड़ी, नम आंखें हेस्टर से माफी मांगती हुई और समझदारी की अपेक्षा करती हुई लगती हैं।

अंत अविश्वसनीय और काल्पनिक

इस फिल्म का अंत अविश्वसनीय और काल्पनिक लगता है। यह दर्शकों को हास्य की ओर ले जा कर कथानक की गंभीरता को कम करता है। वैसे दोनों का प्रेम, आज के समय में खुद को विधवा सोच रही स्त्री का किसी के प्रति आकर्षित होना शायद गुनाह नहीं माना जाए। अपराध बोध हटा कर फिल्म उपन्यास को एक नया मोड़ देती है। फिल्म के अंत में नायिका हेस्टर प्रिन अक्षर 'ए' हटा देती है और पादरी तथा बेटी पर्ल के साथ अपना जीवन अपने ढंग से बिताने के लिए चल पड़ती है।
देखें डेमी मूर का जीवन कैसा चल रहा है। तलाक के कुछ साल बाद डेमी ने प्रसिद्ध अभिनेता ब्रूस विलिस से 1987 में शादी की जो 2000 तक चली। तलाक के बाद भी दोनों बच्चियों को पालना तथा तय किए प्रोजेक्ट को समाप्त करने के लिए दोनों ने साथ काम किया। दोनों की तीन बेटियां हैं, वैसे दोनों ने शादी भी कर ली है। डेमी मूर के तीसरे पति का नाम एश्टन कचर है जो प्रसिद्ध सिने अभिनेता है, दोनों अलग हो चुके हैं।

डेमी मूर की फिल्में

डेमी मूर ने टीवी में काम किया, 'द हंचबैक ऑफ नोट्र डैम' (एस्मेराल्डा का स्वर) जैसी कई फिल्मों में अपनी आवाज दी। एक समय की सबसे अधिक मांग में रहने वाली डेमी ने 'द स्कारलेट लेटर' के अलावा 'इनडिसेंट प्रपोजल', 'घोस्ट', 'डिस्क्लोजर', 'द सेवेंथ साइन', 'विजडम', 'वन क्रेजी समर', 'अबाउट लास्ट नाइट', 'नो स्मॉल अफेयर', 'कॉरपोरेट अनिमल्स', 'लव सोनिया', 'रफ नाइट', 'वाइल्ड ओट्स', 'मार्जिन कॉल', 'अनादर हैप्पी डे', 'वेरी गुड गर्ल्स', 'द ज्यूरर', 'नाऊ एंड दैन', 'ए फ्यू गुड मेन', 'द बुचर'स वाइफ', 'मॉर्टल थॉट्स', 'नथिंग बट ट्रबल',

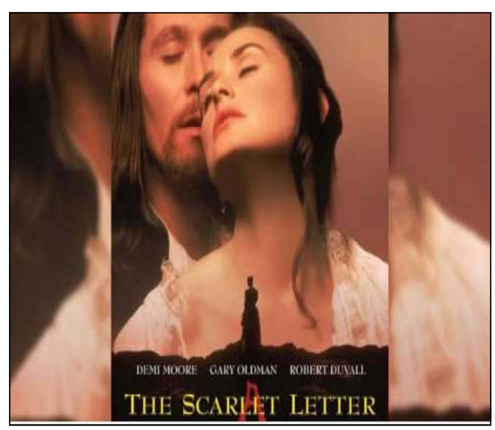

'वी आर नो एंजेल्स', 'स्ट्रिप्टीज', 'चार्ली'ज एंजेल्सरू फुल थ्रोटल', 'हैप्पी टियर्स', 'मिस्टर ब्रूक्स', 'पैशन ऑफ माइंड', 'हाफ लाइट' आदि उसकी कुछ फिल्में हैं।'दि उनबेरेअबल वैट ऑफ मैसिव टैलेंट' (2022) उसकी नवीनतम फिल्म है। उम्र दराज होने के बावजूद डेमी मूर बहुत खूबसूरत दिखती है और खूब सक्रिय हैं।

पत्नी के गैर मर्दों से थे प्रेम संबंध.सुनसान जगह ले जाकर हथौड़े से किया हमला, चाकू से काटा गला

गाजियाबाद के लोनी में प्रेम संबंधों के शक में ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र में रहने वाले राजमिस्त्री ने बृहस्पतिवार दोपहर अपनी पत्नी की हथौड़े से प्रहार करने के बाद चाकू से गोदकर हत्या कर दी। हत्या से पहले आरोपी पत्नी को ट्रॉनिका सिटी स्थित फैक्टरियों में काम दिखाने के लिए गया था। हत्या के बाद आरोपी गाजियाबाद एसएसपी ऑफिस में सरेंडर करने पहुंचा। आरोपी की निशानदेही से पुलिस ने शव बरामद किया है। मूलरूप से बिहार का रहने वाला व्यक्ति परिवार के साथ ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र में रहता है। उन्होंने 2012 में 28 वर्षीय बेटी की शादी पड़ोस में रहने वाले सद्दाम के साथ की थी। सद्दाम भी राजमिस्त्री है। उनकी बेटी के दो बच्चे हैं। सद्दाम और उसकी पत्नी में कई वर्षों से विवाद चल रहा था। दोनों में कई बार कहासुनी और मारपीट होती थी। सद्दाम का कहना है कि उनकी पत्नी के गैर मर्दों के साथ से प्रेम संबंध थे। इसको लेकर दोनों में झगड़ा होता था। बृहस्पतिवार को सद्दाम अपनी पत्नी को ट्रॉनिका सिटी स्थित फैक्टरी में काम दिखाने के लिए घर से ले गया था। कुछ फैक्टरियों को देखने के बाद आरोपी उसे एक सुनसान इलाके में ले गया। यहां उसने मौका पाकर अपनी पत्नी पर

पहले हथौड़े से सिर वार किया।

चार से पांच वार करने के बाद उसने जेब से चाकू निकालकर पत्नी की शरीर गोद दिया। घटना को अंजाम देकर आरोपी मौके से निकल गया। आरोपी घटना के बाद गाजियाबाद एसएसपी कार्यालय पहुंचा। यहां उसने अधिकारियों के सामने अपना गुनाह कबूल किया।

अधिकारियों ने जानकारी मिलने पर ट्रॉनिका सिटी थाने में इसकी सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस आरोपी के निशानदेही से महिला की तलाश में पहुंची। पुलिस को महिला का शव सड़क किनारे जंगल में मिला। पुलिस ने शव को बरामद कर परिजनों को सूचना दी।

मौके पर जांच करती पुलिस।

एक साल से हत्या की योजना बना रहा था

सद्दाम ने बताया कि शादी के एक साल तक सब ठीक था। कुछ समय बाद उन्हें अपनी पत्नी के प्रेम संबंधों के बारे में पता चला। इस पर सद्दाम ने ससुराल पक्ष के लोगों से भी बात की थी लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही थी। सद्दाम काम के सिलसिले के चलते बाहर भी जाता था। सुनवाई नहीं होने पर आरोपी ने करीब एक साल पहले पत्नी की हत्या करने की योजना बनाई थी। कई बार उसे हत्या करने की कोशिश की

बाइक सवार से लिफ्ट लेकर दिल्ली–सहारनपुर मार्ग तक पहुंचा

हत्या के बाद आरोपी पैदल ही दिल्ली–सहारनपुर मार्ग की तरफ निकल गया। रास्ते में उसने एक बाइक सवार से लिफ्ट ली। लिफ्ट लेकर वह दिल्ली सहारनपुर मार्ग ट्रॉनिका सिटी थाना पर पहुंचा। यहां से उसने लोनी तिराहा के लिए ऑटो पकड़ा। तिराहा से वह मोहननगर के लिए बैठा। मोहननगर से गाजियाबाद एसएसपी कार्यालय पहुंचा।

दो पुलिस कर्मियों को हत्या के बारे में बताया

सद्दाम ने बताया कि हत्या के बाद वह पुलिस अधिकारी के सामने जाना चाहता था। वह डरता था कि कहीं लोनी पुलिस थाना पहुंचने पर ससुराल पक्ष के लोग मारपीट ना कर दें इसलिए उसने गाजियाबाद जाने की योजना बनाई थी। एसएसपी कार्यालय पर पहुंचने के बाद उसने वहां घूम रहे दो पुलिस कर्मियों से पत्नी की हत्या करने की बात कही लेकिन दोनों पुलिस कर्मियों ने उसे पागल कह कर वहां से हटा दिया। इसके बाद सद्दाम एक व्यक्ति से मिला। उसने सद्दाम को एसएसपी कार्यालय के अंदर जाने के लिए कहा। यहां उसने अधिकारियों के सामने अपना जुर्म कबूल किया है।

सद्दाम का घर निर्माणाधीन हैं। उसके घर पर छत भी नहीं है। छप्पर के नीचे परिवार रहता है। सद्दाम के माता पिता भी ट्रॉनिका सिटी स्थित फैक्टरी में काम करते हैं। पत्नी ने ट्रॉनिका सिटी स्थित फैक्टरी में काम कर अपने घर की छत डालने की बात कही थी।

जीवन में सफल न हो पाया, बच्चों माफ करना, बेटी ने सुनी मां की आवाज लेकिन

ग्रेटर नोएडा की फ्यूजन होम्स सोसाइटी की तीसरी मंजिल के फ्लैट में रहने वाले कारोबारी दीपक कुमार गुप्ता (60) ने पत्नी मृदुला गुप्ता (59) की हत्या कर खुदकुशी कर ली। बृहस्पतिवार सुबह कारोबारी का शव किचन में फंदे पर लटका मिला जबकि पत्नी का शव कमरे में बेड पर पड़ा था। पत्नी के शव के पास में रस्सी बरामद हुई। उसके गले पर निशान थे। पुलिस ने मृदुला की हत्या के बाद कारोबारी के खुदकुशी करने की पुष्टि की। मौके से मिले सुसाइड नोट में कारोबारी ने कर्ज से परेशान होकर खुदकुशी करने की बात लिखी है। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर जांच की। घटना के वक्त कारोबारी के बेटे, बहू और बेटी भी फ्लैट में मौजूद थे। पुलिस ने बरामद सुसाइड नोट फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है।

फ्यूजन होम्स सोसाइटी में सपरिवार रहने वाले कारोबारी दीपक कुमार गुप्ता की ईकोटेक–12 औद्योगिक क्षेत्र में लोहे की फैक्टरी है। कुछ समय से कारोबार में लगातार घाटा हो रहा था। इससे उन पर काफी कर्ज हो चुका था। बेटा पुष्कर, बहू स्वाति और बेटी भी उनके साथ ही रहते थे। पुष्कर वेब डिजाइनिंग का काम करता है। बृहस्पतिवार सुबह करीब साढ़े दस बजे पुष्कर की पत्नी ने यूपी–112 पर कॉल कर सास–ससुर ने खुदकुशी करने की सूचना दी।

दीपक की दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी की उम्र 36 और छोटी की 26 वर्ष है। कर्ज में डूबे होने के कारण व दोनों बेटियों का विवाह नहीं कर पाए थे। इससे कारोबारी दंपती काफी परेशान रहते थे। बड़ी बेटी घटना के दौरान घर पर नहीं थी। वह नोएडा में नौकरी करती है।

दो पेज के सुसाइड नोट में दीपक ने लिखा था कि 'बच्चों मुझे माफ कर देना, मैं अपने जीवन में सफल नहीं हो पाया। काफी कर्ज हो चुका है, जिसे चुका नहीं पा रहा हूं। लोग और परिवार की तरफ से भी सहयोग नहीं मिल पा रहा।

पुलिस का कहना है कि घटना बुधवार रात लगभग 10 बजे की है। कारोबारी की बेटी ने मां के कराहने की आवाज सुनी थी। बेटी ने पुलिस को बताया कि मृदुला डिप्रेशन में रहती थी। पहले भी उनकी इस तरह की आवाज आती थीं। इसके चलते उसने आवाज को गंभीरता से नहीं लिया।

ये पहला मामला नहीं है जब किसी बुजुर्ग ने खुदकुशी कर जान गंवाई है। इससे पहले इसी वर्ष जुलाई माह में ग्रेनो वेस्ट में ही पंचशील ग्रीन–2 सोसाइटी में 73 वर्षीय बुजुर्ग श्याम देव चौहान ने खुदकुशी की थी। जुलाई में ही थाना–113 क्षेत्र के सेक्टर–78 स्थित महागुन मॉडर्न सोसाइटी में एक 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने 10वीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी की थी।

जनवरी 2021 में 62 वर्षीय आनंद कुशवाहा ने खुदकुशी की थी। 28 जून 2021 को ग्रेनो वेस्ट की एग्जॉटिका हाउसिंग सोसाइटी में कैंसर की बीमारी से परेशान एक बुजुर्ग ने 15 वीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी की थी।

एक दिसंबर 2020 को ग्रेनो वेस्ट की समृद्धि ग्रैंड सोसाइटी के एक फ्लैट में 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला का शव लहूलुहान हालत में मिला था। पुलिस ने दावा किया था कि बीमारी से परेशान होकर महिला ने चाकू मारकर खुदकुशी कर ली।

दो साल पहले उद्यमी दीपक कुमार गुप्ता परिवार के साथ दिल्ली यहां आकर रहने लगा था। दिल्ली में भी उनका कारोबार नहीं चल पाया था। उन्होंने कई बार कारोबार बदला लेकिन घाटा होने के कारण उन्हें बार–बार कर्ज लेना पड़ा।अधिकांश लोग परिवार के बारे में अधिक नहीं जानते थे। जो लोग उन्हें जानते थे वह कारोबारी के इस कदम पर हैरत में थे। उनका कहना था कि बातों से और देखने से दीपक ऐसे नहीं लगते थे कि वह परेशान हैं, या फिर ऐसा कोई कदम उठा सकते हैं।

दिल्ली ब्रेकिंग न्यूज, पढ़ें 11 नवम्बर के मुख्य और ताजा समाचार

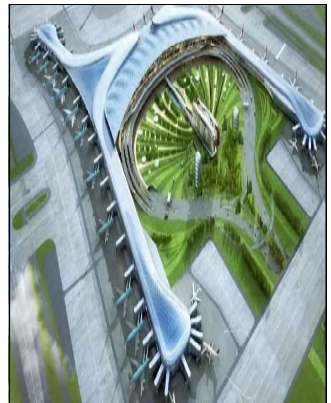

कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट के शुरू होने के लिए सड़क और मेट्रो कनेक्टिविटी की जरूरत होती है। जब संसाधनों की बहुतायत होगी तो यात्री की आवक भी बढ़ जाएगी। किरण जैन ने कहा कि पहले वह अपना काम करेंगे और यदि ऐसा प्रतीत होगा कि सरकार की ओर से आवगमन के संसाधनों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है तो उसे लेकर सरकार से कहा जाएगा। और पढ़ें

सुशील कुमार सागर धनखड़ हत्याकांड के 18

आरोपियों में से एक है। जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने सुशील कुमार की तरफ से पेश वकील को दो सप्ताह का समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई पांच दिसंबर 2022 को होगी। और पढ़ें

एम्स के निदेशक डॉ. एम श्रीनिवास की ओर से पत्र जारी किया गया है। पत्र में उन्होंने कहा है कि ध्यान दिया गया है कि कर्मचारियों को ईएचएस फार्मेसी से अपनी निर्धारित दवाएं लाने के लिए लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ता है। इसी में सुधार के लिए ये सुविधा शुरू की जाएगी। और पढ़ें

सुकेश के साथ रिश्ते के कारण श्रीलंकाई ब्यूटी पर ईओडब्ल्यू का शिकंजा कस चुका है। पिछले काफी समय से उनसे लगातार मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ चल रही है। और पढ़ें

गाजियाबाद के लोनी में प्रेम संबंधों के शक में ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र में रहने वाले राजमिस्त्री ने बृहस्पतिवार दोपहर अपनी पत्नी की हथौड़े से प्रहार करने के बाद चाकू से गोदकर हत्या कर दी। और पढ़ें

गाजियाबाद के लोनी में प्रेम संबंधों के शक में ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र में रहने वाले राजमिस्त्री ने बृहस्पतिवार दोपहर अपनी पत्नी की हथौड़े से प्रहार करने के बाद चाकू से गोदकर हत्या कर दी। और पढ़ें

सीमा सुरक्षा बल ने 1 नवंबर को बिहार के किशनगंज से भारत– नेपाल बॉर्डर पर पाकिस्तानी मूल की फरीदा मलिक को गिरफ्तार किया था। वह सना खान बनकर भारत में रह रही थी। फरीदा 26 फरवरी 2020 को नोएडा के सेक्टर–18 से गिरफ्तार हुई थी। उस वक्त उत्तराखंड की चंपावत पुलिस उसकी तलाश में नोएडा आई थी। गिरफ्तारी के बाद उत्तराखंड की जेल में 11 महीने रही। और पढ़ें

सीबीआई की चार्जशीट में इस बात का जिक्र है कि मनोज राय फ्रांस की कंपनी परनॉड रिकॉर्ड के लिए काम कर रहा था। वह कंपनी के लिए फायदेमंद नीति तैयार करने के लिए सरकार की बैठकों में भी शामिल रहा। और पढ़ें

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि कट्टर भ्रष्ट पार्टी है आम आदमी पार्टी। पात्रा ने आरोप लगाया कि आप कट्टर बेईमानी और भ्रष्ट पार्टी है। शराब घोटाले के सबूत मिटाने की कोशिश की जा रही है। और पढ़ें

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एमसीडी चुनाव को लेकर घोषणा

पत्र जारी कर दिया है। केजरीवाल ने दिल्ली नगर निगम चुनाव को लेकर 10 गारंटी जारी कीं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली से कूड़े के तीनों पहाड़ हटाएंगे। एमसीडी के पार्कों को सुंदर बनाएंगे। सड़कों और गलियों की साफ– सफाई करेंगे। और पढ़ें

दिल्ली बनाम केंद्र सरकार मामले में सुप्रीम कोर्ट ने किसी भी तरह की याचिका दायर करने पर रोक लगा दी है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ 24 नवंबर को सुनवाई करेगी। और पढ़ें

फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में दिल्ली पब्लिक स्कूल के 12वीं कक्षा के छात्र की पिटाई का मामला सामने आया है। छात्र की बेरहमी से पिटाई का आरोप पीटीआई पर लगा है। पिटाई से छात्र वेंटिलेटर पर पहुंच गया है। छात्र का कसूर सिर्फ इतना था कि वह 10 मिनट की देरी से स्कूल पहुंचा था। और पढ़ें

9 नवंबर को मौजपुर की एक मस्जिद में 10 साल की बच्ची से कथित तौर पर छेड़छाड़ करने के आरोप में मोहम्मद अरमान नाम के शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। और पढ़ें

नोएडा में कुत्तों के हमले और काटने की कई घटनाएं सामने आई हैं। इसे देखते हुए डॉग पॉलिसी लागू करने की तैयारी की जा रही है। प्राधिकरण बोर्ड में पॉलिसी को मंजूरी मिलने के बाद शहरवासियों से आपत्तियां मांगी जाएंगी। आपत्तियां दूर कर पॉलिसी लागू कर दी जाएगी।

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, नोएडा व प्रयागराज बनेंगे निवेश के पंच प्राण

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस)–23 में दस लाख करोड़ रुपये के निवेश लक्ष्य को पूरा करने के लिए राज्य सरकार लखनऊ, वाराणसी, नोएडा, प्रयागराज और कानपुर को अर्थव्यवस्था के पंच प्राण के रूप में विकसित करेगी। जीआईएस–23 के लिए विश्व के प्रमुख देशों में होने वाले रोड शो के दौरान सरकार ने इन शहरों की ब्रांडिंग करेगी। राज्य सरकार इन पांच जिलों को उनकी प्राचीन पहचान के साथ तकनीक से जोड़ते हुए नई दिशा देने की योजना बनाई है। निवेश और उद्योग के वैश्विक मंच पर कानपुर को रोबोटिक्स व ड्रोन सिटी, लखनऊ को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिटी, नोएडा को सूचना प्रौद्योगिकी व सूचना प्रौद्योगिकी जनित सेवाओं (आईटी व आईटीईएस) सिटी और वाराणसी व प्रयागराज को इंजीनियरिंग अनुसंधान व विकास (ई आर एंड डी) सिटी के रूप में विकसित करने की योजना है। मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा ने इनसे संबंधित प्रस्तुतीकरण देखने के बाद योजना को लागू करने की मंजूरी दी है।ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस)–23 में दस लाख करोड़ रुपये के निवेश लक्ष्य को पूरा करने के लिए राज्य सरकार लखनऊ, वाराणसी, नोएडा, प्रयागराज और कानपुर को अर्थव्यवस्था के पंच प्राण के रूप में विकसित करेगी। जीआईएस–23 के लिए विश्व के प्रमुख देशों में होने वाले रोड शो के दौरान सरकार ने इन शहरों की ब्रांडिंग करेगी। राज्य सरकार इन पांच जिलों को उनकी प्राचीन पहचान के साथ तकनीक से जोड़ते हुए नई दिशा देने की योजना बनाई है। निवेश और उद्योग के वैश्विक मंच पर कानपुर को रोबोटिक्स व ड्रोन सिटी, लखनऊ को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिटी, नोएडा को सूचना प्रौद्योगिकी व सूचना प्रौद्योगिकी जनित सेवाओं (आईटी व आईटीईएस) सिटी और वाराणसी व प्रयागराज को इंजीनियरिंग अनुसंधान व विकास (ई आर एंड डी) सिटी के रूप में विकसित करने की योजना है। मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा ने इनसे संबंधित प्रस्तुतीकरण देखने के बाद योजना को लागू करने की मंजूरी दी है। रोबोटिक्स एवं ड्रोन सिटी कानपुरआईआईटी कानपुर में मौजूद सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को देखते हुए इस शहर को रोबोटिक्स व ड्रोन सिटी के रूप विकसित किया जाएगा। जर्मनी की केआईओएन समूह, जापान की सिकों एप्सों. भारत की जेन टेक, पारस डिफेंस, बीईएल, डीसीएम श्रीराम और रतन इंडिया इंटरप्राइजेज सहित अन्य कंपनियों को कानपुर में निवेश के लिए आमंत्रित किया जाएगा।लखनऊ को बनाएंगे एआई सिटीलखनऊ को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई सिटी) सिटी के रूप में विकसित करने की योजना है। टीयर–2 शहरों में लखनऊ का इन्फ्रास्ट्रक्चर काफी अच्छा है। लिहाजा शहर में एआई पार्क विकसित किया जाएगा।ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस)–23 में दस लाख करोड़ रुपये के निवेश लक्ष्य को पूरा करने के लिए राज्य सरकार लखनऊ, वाराणसी, नोएडा, प्रयागराज और कानपुर को अर्थव्यवस्था के पंच प्राण के रूप में विकसित करेगी। जीआईएस–23 के लिए विश्व के प्रमुख देशों में होने वाले रोड शो के दौरान सरकार ने इन शहरों की ब्रांडिंग करेगी। राज्य सरकार इन पांच जिलों को उनकी प्राचीन पहचान के साथ तकनीक से जोड़ते हुए नई दिशा देने की योजना बनाई है। निवेश और उद्योग के वैश्विक मंच पर कानपुर को रोबोटिक्स व ड्रोन सिटी, लखनऊ को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिटी, नोएडा को सूचना प्रौद्योगिकी व सूचना प्रौद्योगिकी जनित सेवाओं (आईटी व आईटीईएस) सिटी और वाराणसी व प्रयागराज को इंजीनियरिंग अनुसंधान व विकास (ई आर एंड डी) सिटी के रूप में विकसित करने की योजना है। मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा ने इनसे संबंधित प्रस्तुतीकरण देखने के बाद योजना को लागू करने की मंजूरी दी है। रोबोटिक्स एवं ड्रोन सिटी कानपुरआईआईटी कानपुर में मौजूद सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को देखते हुए इस शहर को रोबोटिक्स व ड्रोन सिटी के रूप विकसित किया जाएगा। जर्मनी की केआईओएन समूह, जापान की सिकों एप्सों. भारत की जेन टेक, पारस डिफेंस, बीईएल, डीसीएम श्रीराम और रतन इंडिया इंटरप्राइजेज सहित अन्य कंपनियों को कानपुर में निवेश के लिए आमंत्रित किया जाएगा।लखनऊ को बनाएंगे एआई सिटीलखनऊ को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई सिटी) सिटी के रूप में विकसित करने की योजना है। टीयर–2 शहरों में लखनऊ का इन्फ्रास्ट्रक्चर काफी अच्छा है। लिहाजा शहर में एआई पार्क विकसित किया जाएगा। जीआईएस में आने के लिए इंटेल, बॉश और केल्टन टेक जैसी कई कंपनियों को सरकार निमंत्रण भेज रही है।नोएडा बनेगा आईटी व आईटीईएस सिटी का वैश्विक हबनोएडा में वर्तमान में आईटी व आईटीईएस सेक्टर की कंपनियों की 135 इकाइयां है। सरकार ने नोएडा को आईटी व आईटीईएस सिटी के तौर पर विकसित करने के लिए जीआईएस के माध्यम से जेनपैक्ट लि., एजिस लि., ओरेकल कॉर्पोरेशन और एप्पल जैसी बड़ी कंपनियों को निवेश करने के लिए आकर्षित करेगी। आईटी एवं आईटीईएस में निवेश के लक्ष्य को बढ़ाकर 74 बिलियन अमेरिकी डॉलर किया गया है।वाराणसी और प्रयागराज को बनाएंगे ईआर एंड डी सिटीआईआईटी बीएचयू, एमएनआईटी व ट्रिपल आईटी प्रयागराज से हर साल सैकड़ों छात्र ग्रेजुएट होते हैं। वाराणसी व प्रयागराज जिले को इंजीनियरिंग रिसर्च एंड डेवलपमेंट सिटी के रूप में विकसित करने के लिए वहां बड़े संस्थान स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए सरकार एल एंड टी और टाटा एलेक्सी सहित कई बड़ी कंपनियों को निवेश के लिए आमंत्रित कर रही है। जीआईएस में आने के लिए इंटेल, बॉश और केल्टन टेक जैसी कई कंपनियों को सरकार निमंत्रण भेज रही है।नोएडा बनेगा आईटी व आईटीईएस सिटी का वैश्विक हबनोएडा में वर्तमान में आईटी व आईटीईएस सेक्टर की कंपनियों की 135 इकाइयां है। सरकार ने नोएडा को आईटी व आईटीईएस सिटी के तौर पर विकसित करने के लिए जीआईएस के माध्यम से जेनपैक्ट लि., एजिस लि., ओरेकल कॉर्पोरेशन और एप्पल जैसी बड़ी कंपनियों को निवेश करने के लिए आकर्षित करेगी। आईटी एवं आईटीईएस में निवेश के लक्ष्य को बढ़ाकर 74 बिलियन अमेरिकी डॉलर किया गया है।वाराणसी और प्रयागराज को बनाएंगे ईआर एंड डी सिटीआईआईटी बीएचयू, एमएनआईटी व ट्रिपल आईटी प्रयागराज से हर साल सैकड़ों छात्र ग्रेजुएट होते हैं।

आवश्यकता है

झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवमं
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले
के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर, विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे !

सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,
पीएनबी एटीएम के पास

तीन युवतियां लापता 22 घंटे बाद बरेली में मिलीं

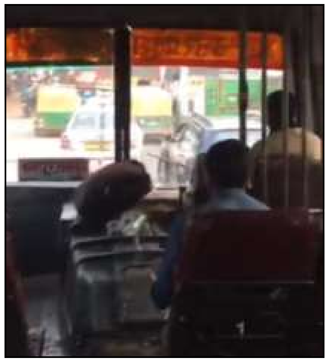

लखनऊ में कृष्णानगर की एलडीए कॉलोनी निवासी व्यापारी की दो बेटियां बुधवार शाम कानपुर से लखनऊ आते समय संदिग्ध हालात में लापता हो गईं। इनके साथ कानपुर में सहेली बनी युवती भी थी। तीनों देर रात तक घर नहीं पहुंचीं तो परिवारवालों ने तलाश शुरू की और थाने में तहरीर दी। कार्रवाई न होने से नाराज घरवालों व परिचितों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार सुबह थाना घेर लिया। इस बीच 22 घंटे बाद तीनों की लोकेशन बरेली में मिली। वहां के एक मॉल से इन्हें बरामद किया गया। तीनों ने कुबूला कि वे अपनी मर्जी से बरेली आई थीं। प्रभारी निरीक्षक कृष्णानगर विक्रम सिंह के मुताबिक कार वॉशिंग का काम करने वाले एक व्यापारी का राजनीति से भी संबंध है। व्यापारी के मुताबिक दोनों बेटियां मंगलवार दोपहर गुरुपर्व में शामिल होने कानपुर के मोती झील अशोकनगर में रहने वाली उनकी मुंहबोली बहन के घर गई थी। बुधवार शाम चार बजे वहां से लखनऊ के लिए गाजीपुर डिपो की बस में बैठीं। करीब 5.30 बजे उन्होंने बेटियों को कॉल किया, लेकिन उनका मोबाइल बंद आ रहा था। देर रात देर तक बेटियां घर न आईं तो परिवारीजन आलमबाग बस स्टैंड पहुंचे। पता चला कि युवतियां बस से उतरी तो हैं, लेकिन फिर कहां गईं, इसकी जानकारी नहीं मिली।अजगैन में मिली पहली लोकेशन बुधवार रात सर्विलांस से पता चला कि दोनों युवतियों का मोबाइल जब बंद हुआ तो उनकी लोकेशन उन्नाव के अजगैन थी। कृष्णानगर पुलिस ने उस इलाके की पुलिस से संपर्क किया, पर कुछ पता नहीं चला। इसके बाद बृहस्पतिवार सुबह युवतियों के घरवाले कृष्णानगर थाने पहुंचे और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा करने लगे। एसीपी ने उन्हें शांत कराया। इसी बीच पता चला कि युवतियों की सहेली भी कानपुर से गायब है। उसके घरवालों ने भी गुमशुदगी दर्ज कराई है।लखनऊ में कृष्णानगर की एलडीए कॉलोनी निवासी व्यापारी की दो बेटियां बुधवार शाम कानपुर से लखनऊ आते समय संदिग्ध हालात में लापता हो गईं। इनके साथ कानपुर में सहेली बनी युवती भी थी। तीनों देर रात तक घर नहीं पहुंचीं तो परिवारवालों ने तलाश शुरू की और थाने में तहरीर दी। कार्रवाई न होने से नाराज घरवालों व परिचितों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार सुबह थाना घेर लिया। इस बीच 22 घंटे बाद तीनों की लोकेशन बरेली में मिली। वहां के एक मॉल से इन्हें बरामद किया गया। तीनों ने कुबूला कि वे अपनी मर्जी से बरेली आई थीं। प्रभारी निरीक्षक कृष्णानगर विक्रम सिंह के मुताबिक कार वॉशिंग का काम करने वाले एक व्यापारी का राजनीति से भी संबंध है। व्यापारी के मुताबिक दोनों बेटियां मंगलवार दोपहर गुरुपर्व में शामिल होने कानपुर के मोती झील अशोकनगर में रहने वाली उनकी मुंहबोली बहन के घर गई थी। बुधवार शाम चार बजे वहां से लखनऊ के लिए गाजीपुर डिपो की बस में बैठीं। करीब 5.30 बजे उन्होंने बेटियों को कॉल किया, लेकिन उनका मोबाइल बंद आ रहा था। देर रात देर तक बेटियां घर न आईं तो परिवारीजन आलमबाग बस स्टैंड पहुंचे। पता चला कि युवतियां बस से उतरी तो हैं, लेकिन फिर कहां गईं, इसकी जानकारी नहीं मिली।अजगैन में मिली पहली लोकेशन बुधवार रात सर्विलांस से पता चला कि दोनों युवतियों का मोबाइल जब बंद हुआ तो उनकी लोकेशन उन्नाव के अजगैन थी। कृष्णानगर पुलिस ने उस इलाके की पुलिस से संपर्क किया, पर कुछ पता नहीं चला। इसके बाद बृहस्पतिवार सुबह युवतियों के घरवाले कृष्णानगर थाने पहुंचे और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा करने लगे। एसीपी ने उन्हें शांत कराया। इसी बीच पता चला कि युवतियों की सहेली भी कानपुर से गायब है। उसके घरवालों ने भी गुमशुदगी दर्ज कराई है। इसके बाद लखनऊ से लेकर कानपुर तक की पुलिस की टीमें तीनों को ढूंढने में लग गईं। डीसीपी अपर्णा ने बताया कि 22 घंटे बाद इनकी लोकेशन बरेली मिली तो लखनऊ से महिला पुलिस के साथ दो टीमें रवाना की गईं। मॉल में घूमती युवतियों को पुलिस ने रोका तो वे हंगामा करने लगीं। कहा, हम अपनी मर्जी से आए हैं। इस पर पुलिस ने बताया कि पिता ने थाने पर उनके गायब होने की सूचना दी है। इसके बाद पुलिस तीनों को लेकर निकली।पापा जबरन करा रहे थे शादी प्रभारी निरीक्षक कृष्णानगर विक्रम सिंह के मुताबिक युवतियां लगातार बयान बदल रही हैं। पहले कहा, पापा उनकी शादी उम्रदराज से करा रहे हैं। मना करने पर दबाव बनाया जा रहा था। ऐसे में बरेली में मौसी के पास जाकर उनकी शिकायत करने का मन बनाया। फिर कहा, पापा बहुत डांटते हैं। इस वजह से बरेली भाग गए थे। सहेली को भी साथ ले लिया। पुलिस के मुताबिक तीनों युवतियां आलमबाग में उतरक कैसरबाग बस अड्डा पहुंचीं और फिर बरेली चली गईं।लखनऊ में दोस्त से मांगे पांच हजारयुवतियों ने बताया कि पैसे खत्म हो गए तो आलमबाग स्टैंड पर उन्होंने एक दोस्त से पांच हजार रुपये लिए। घरवाले परेशान न करें, इसलिए मोबाइल बंद कर लिया था। पुलिस ने रुपये देने वाले युवक से भी पूछताछ की है। पुलिस ने कहा, दोनों बहनों का अभिभावकों से सामना कराकर असली कारण का पता किया जाएगा। कानपुर वाली युवती की भूमिका का भी पता किया जाएगा। इसके बाद लखनऊ से लेकर कानपुर तक की पुलिस की टीमें तीनों को ढूंढने में लग गईं। डीसीपी अपर्णा ने बताया कि 22 घंटे बाद इनकी लोकेशन बरेली मिली तो लखनऊ से महिला पुलिस के साथ दो टीमें रवाना की गईं। मॉल में घूमती युवतियों को पुलिस ने रोका तो वे हंगामा करने लगीं। कहा, हम अपनी मर्जी से आए हैं। इस पर पुलिस ने बताया कि पिता ने थाने पर उनके गायब होने की सूचना दी है। इसके बाद पुलिस तीनों को लेकर निकली।पापा जबरन करा रहे थे शादी प्रभारी निरीक्षक कृष्णानगर विक्रम सिंह के मुताबिक युवतियां लगातार बयान बदल रही हैं। पहले कहा, पापा उनकी शादी उम्रदराज से करा रहे हैं। मना करने पर दबाव बनाया जा रहा था। ऐसे में बरेली में मौसी के पास जाकर उनकी शिकायत करने का मन बनाया। फिर कहा, पापा बहुत डांटते हैं। इस वजह से बरेली भाग गए थे। सहेली को भी साथ ले लिया। पुलिस के मुताबिक तीनों युवतियां आलमबाग मेंउतरक कैसरबाग बस अड्डा पहुंचीं और फिर बरेली चली गईं।लखनऊ में दोस्त से मांगे पांच हजारयुवतियों ने बताया कि पैसे खत्म हो गए तो आलमबाग स्टैंड पर उन्होंने एक दोस्त से पांच हजार रुपये लिए। घरवाले परेशान न करें इसलिए मोबाइल बंद कर लिया था। पुलिस ने रुपये देने वाले युवक से भी पूछताछ की है। पुलिस ने कहा, दोनों बहनों का अभिभावकों से सामना कराकर असली कारण का पता किया जाएगा। कानपुर वाली युवती की भूमिका का भी पता किया जाएगा।

आरक्षण के इंतजार में बढ़ी दिक्कतें

नगर निकाय चुनाव के आरक्षण के इंतजार में महापौर से लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष पद के दावेदारों के साथ राजनीतिक दलों दिक्कतें बढ़ती जा रही है। आरक्षण निर्धारित होने से पहले ही सभी नगर निगमों में महापौर और प्रमुख नगर पालिका परिषदों में अध्यक्ष पद के दावेदारों की लंबी सूची बन गई है। इससे एक ओर जहां दावेदारों के बीच राजनीतिक खींचतान बढ़ रही है। वहीं आरक्षण निर्धारण और अधिकृत प्रत्याशी घोषित होने के बाद राजनीतिक दलों के सामने असंतोष को थामने की बड़ी चुनौती होगी।प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दोबारा भाजपा सरकार बनने के बाद निकाय चुनाव को लेकर दावेदारों ने करीब छह महीने पहले ही तैयारी शुरू कर दी थी। खासतौर पर विधायक का टिकट मिलने से वंचित रहे नेता नगर निगम में महापौर और नगर पालिका परिषदों में अध्यक्ष का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के लिए आरक्षित सीटों पर उसी वर्ग के प्रत्याशी उतारे जाने हैं। लिहाजा टिकट की दावेदारी को लेकर सबसे ज्यादा संघर्ष सामान्य वर्ग की सीटों के लिए है। पिछड़े वर्ग के वोट बैंक को साधे रखने के लिए भाजपा सहित सभी राजनीतिक दल सामान्य की सीट पर भी पिछड़े वर्ग के उम्मीदवार को प्रत्याशी बनाएंगे। ऐसे में सामान्य वर्ग के दावेदारों की दिक्कतें भी बढ़ी हुई है।पार्टी मुख्यालय से मंत्रालय तक चक्कर लगा रहे दावेदार नगर निगम के वर्तमान महापौर और नगर पालिका परिषद के मौजूदा अध्यक्षों के साथ आगामी चुनाव में इन पदों पर टिकट के दावेदार आरक्षण के लिए पार्टी मुख्यालय से लेकर नगर विकास मंत्रालय तक चक्कर लगा रहे है।नगर निकाय चुनाव के आरक्षण के इंतजार में महापौर से लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष पद के दावेदारों के साथ राजनीतिक दलों दिक्कतें बढ़ती जा रही है। आरक्षण निर्धारित होने से पहले ही सभी नगर निगमों में महापौर और प्रमुख नगर पालिका परिषदों में अध्यक्ष पद के दावेदारों की लंबी सूची बन गई है। इससे एक ओर जहां दावेदारों के बीच राजनीतिक खींचतान बढ़ रही है। वहीं आरक्षण निर्धारण और अधिकृत प्रत्याशी घोषित होने के बाद राजनीतिक दलों के सामने असंतोष को थामने की बड़ी चुनौती होगी।प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दोबारा भाजपा सरकार बनने के बाद निकाय चुनाव को लेकर दावेदारों ने करीब छह महीने पहले ही तैयारी शुरू कर दी थी। खासतौर पर विधायक का टिकट मिलने से वंचित रहे नेता नगर निगम में महापौर और नगर पालिका परिषदों में अध्यक्ष का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के लिए आरक्षित सीटों पर उसी वर्ग के प्रत्याशी उतारे जाने हैं। लिहाजा टिकट की दावेदारी को लेकर सबसे ज्यादा संघर्ष सामान्य वर्ग की सीटों के लिए है। पिछड़े वर्ग के वोट बैंक को साधे रखने के लिए भाजपा सहित सभी राजनीतिक दल सामान्य की सीट पर भी पिछड़े वर्ग के उम्मीदवार को प्रत्याशी बनाएंगे। ऐसे में सामान्य वर्ग के दावेदारों की दिक्कतें भी बढ़ी हुई है।पार्टी मुख्यालय से मंत्रालय तक चक्कर लगा रहे दावेदार नगर निगम के वर्तमान महापौर और नगर पालिका परिषद के मौजूदा अध्यक्षों के साथ आगामी चुनाव में इन पदों पर टिकट के दावेदार आरक्षण के लिए पार्टी मुख्यालय से लेकर नगर विकास मंत्रालय तक चक्कर लगा रहे है। दावेदार पार्टी में चुनाव प्रबंधन से जुड़े पदाधिकारियों को अपने अपने हिसाब से आरक्षण निर्धारण को लेकर संतुष्ट करने में जुटे हैं। वहीं मंत्रालय से भी संभावित आरक्षण के लिए पूछताछ कर रहे हैं। दिग्गजों के अरमानों पर फिर जाएगा पानी प्रदेश सरकार के मंत्रियों, पार्टी के सांसद और विधायकों के रिश्तेदारों के साथ पूर्व विधायक भी नगर निगम में महापौर और नगर पालिका परिषद में अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे है। 2011 की जनगणना और चक्रानुम के हिसाब से सभी दिग्गज दावेदार अपनी–अपनी सीट को खुद के हिसाब से आरक्षित होना तय मान रहे है। जानकारों का मानना है कि निकाय चुनाव के लिए आरक्षण निर्धारित होने के बाद कई दिग्गजों के अरमानों पर पानी फिर जाएगा। पार्टी के सूत्रों का कहना है कि मंत्रियों, विधायकों और सांसदों ने आरक्षण अनुकूल नहीं होने पर अपने करीबी दूसरी जाति के उम्मीदवार भी तैयार कर रखे हैं।सपा और बसपा का विकल्प चुन सकते हैं दावेदार पार्टी सूत्रों के मुताबिक पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के सामने चुनाव में जीत के साथ असंतोष रोकने की भी बड़ी चुनौती है। नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत अध्यक्ष का टिकट नहीं मिलने से नाराज दावेदार सपा और बसपा से टिकट लेने का विकल्प चुन सकते हैं। निकाय चुनाव बेहद स्थानीय होने के कारण दावेदारों की बगावत और उनके समर्थक कार्यकर्ताओं की नाराजगी का असर चुनाव पर पड़ेगा। दावेदार पार्टी में चुनाव प्रबंधन से जुड़े पदाधिकारियों को अपने अपने हिसाब से आरक्षण निर्धारण को लेकर संतुष्ट करने में जुटे हैं। वहीं मंत्रालय से भी संभावित आरक्षण के लिए पूछताछ कर रहे हैं। दिग्गजों के अरमानों पर फिर जाएगा पानी प्रदेश सरकार के मंत्रियों, पार्टी के सांसद और विधायकों के रिश्तेदारों के साथ पूर्व विधायक भी नगर निगम में महापौर और नगर पालिका परिषद में अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे है। 2011 की जनगणना और चक्रानुम के हिसाब से सभी दिग्गज दावेदार अपनी–अपनी सीट को खुद के हिसाब से आरक्षित होना तय मान रहे है। जानकारों का मानना है कि निकाय चुनाव के लिए आरक्षण निर्धारित होने के बाद कई दिग्गजों के अरमानों पर पानी फिर जाएगा। पार्टी के सूत्रों का कहना है कि मंत्रियों, विधायकों और सांसदों ने आरक्षण अनुकूल नहीं होने पर अपने करीबी दूसरी जाति के उम्मीदवार भी तैयार कर रखे हैं।सपा और बसपा का विकल्प चुन सकते हैं दावेदार पार्टी सूत्रों के मुताबिक पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के सामने चुनाव में जीत के साथ असंतोष रोकने की भी बड़ी चुनौती है। नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत अध्यक्ष का टिकट नहीं मिलने से नाराज दावेदार सपा और बसपा से टिकट लेने का विकल्प चुन सकते हैं। निकाय चुनाव बेहद स्थानीय होने के कारण दावेदारों की बगावत और उनके समर्थक कार्यकर्ताओं की नाराजगी का असर चुनाव पर पड़ेगा।

सरकार को भ्रम में डालने के लिए इमरान ने फिर बदली रणनीति

पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) ने अपने ‘हकीकी (असली) आजादी मार्च’ यानी लॉन्ग मार्च को दो हिस्सों में बांटने के बाद फिर से शुरू कर दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई के मुखिया इमरान खान पैर में गोली लगने के बाद फिलहाल पूरी तरह स्वस्थ नहीं हैं, लेकिन उनका सरकार के खिलाफ तेवर और आक्रामक रूप से सामने आ रहा है। मार्च दोबारा शुरू करने से पहले उन्होंने ट्वीट करके समर्थकों से कहा है कि वह अब रास्ते में आने वाली सारी रुकावटों को हटा दें और सरकार को बता दें कि हम उनके हमलों के आगे झुकने या डरने वालों में नहीं हैं।समझा जाता है कि मार्च को दो हिस्सों में करने का फैसला लेने के पीछे पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान का मकसद लॉन्ग मार्च को लेकर सरकार को भ्रम में डाले रखना है। पिछले हफ्ते वजीराबाद में इमरान खान पर हुए हमले के बाद इस मार्च को रोक दिया गया था। उसके बाद इसे मंगलवार से दोबारा शुरू करने की घोषणा की गई थी, लेकिन बाद में इसे दो दिन के लिए टाल दिया गया था। पीटीआई ने कहा कि अब मार्च दो हिस्सों में आगे बढ़ेगा।पीटीआई के एलान के मुताबिक वजीराबाद से आगे बढ़ने वाले मार्च के एक हिस्से का नेतृत्व पार्टी उपाध्यक्ष और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी कर रहे हैं। मार्च के दूसरे हिस्से की शुरुआत शुक्रवार को टोबा टेक सिंह से हो गई है। यह मार्च झांग होते हुए पहले फैसलाबाद जाएगा। उसके आगे यह चकवाल पहुंचेगा, जहां दोनों दिशाओं से आ रहे मार्च मिल जाएंगे। फिर ये कारवां रावलपिंडी जाएगा।पीटीआई नेता फव्वाद चौधरी ने बताया है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अब सीधे रावलपिंडी पहुंचेंगे और वहां से मार्च का नेतृत्व संभालेंगे। लेकिन पार्टी ने यह नहीं बताया है कि मार्च रावलपिंडी कब पहुंचेगा और वहां से इस्लामाबाद के लिए कब कूच करेगा। इसके पहले पार्टी ने कहा था कि वह मार्च के असली कार्यक्रम के बारे में सरकार को अंधेरे में रखेगी। इसके लिए मार्च के रूट और समय के बारे में बार–बार बदलाव किया जाएगा।सरकार को भ्रम में डालने के लिए इमरान ने फिर बदली रणनीतिपाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) ने अपने ‘हकीकी (असली) आजादी मार्च’ यानी लॉन्ग मार्च को दो हिस्सों में बांटने के बाद फिर से शुरू कर दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई के मुखिया इमरान खान पैर में गोली लगने के बाद फिलहाल पूरी तरह स्वस्थ नहीं हैं, लेकिन उनका सरकार के खिलाफ तेवर और आक्रामक रूप से सामने आ रहा है। मार्च दोबारा शुरू करने से पहले उन्होंने ट्वीट करके समर्थकों से कहा है कि वह अब रास्ते में आ वाली सारी रुकावटों को हटा दें और सरकार को बता दें कि हम उनके हमलों के आगे झुकने या डरने वालों में नहीं हैं।समझा जाता है कि मार्च को दो हिस्सों में करने का फैसला लेने के पीछे पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान का मकसद लॉन्ग मार्च को लेकर सरकार को भ्रम में डाले रखना है। पिछले हफ्ते वजीराबाद में इमरान खान पर हुए हमले के बाद इस मार्च को रोक दिया गया था। उसके बाद इसे मंगलवार से दोबारा शुरू करने की घोषणा की गई थी, लेकिन बाद में इसे दो दिन के लिए टाल दिया गया था। पीटीआई ने कहा कि अब मार्च दो हिस्सों में आगे बढ़ेगा।पीटीआई के एलान के मुताबिक वजीराबाद से आगे बढ़ने वाले मार्च के एक हिस्से का नेतृत्व पार्टी उपाध्यक्ष और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी कर रहे हैं। मार्च के दूसरे हिस्से की शुरुआत शुक्रवार को टोबा टेक सिंह से हो गई है। यह मार्च झांग होते हुए पहले फैसलाबाद जाएगा। उसके आगे यह चकवाल पहुंचेगा, जहां दोनों दिशाओं से आ रहे मार्च मिल जाएंगे। फिर ये कारवां रावलपिंडी जाएगा।पीटीआई नेता फव्वाद चौधरी ने बताया है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अब सीधे रावलपिंडी पहुंचेंगे और वहां से मार्च का नेतृत्व संभालेंगे। लेकिन पार्टी ने यह नहीं बताया है कि मार्च रावलपिंडी कब पहुंचेगा और वहां से इस्लामाबाद के लिए कब कूच करेगा। इसके पहले पार्टी ने कहा था कि वह मार्च के असली कार्यक्रम के बारे में सरकार को अंधेरे में रखेगी। इसके लिए मार्च के रूट और समय के बारे में बार–बार बदलाव किया जाएगा।इस बीच सेना और सरकार पर दबाव बनाए रखने की रणनीति के तहत इमरान खान ने दावा किया है कि उन पर हुए हमले की साजिश में सेना का एक और अधिकारी शामिल था। इसके पहले वे इल्जाम लगा चुके हैं कि सेना के काउंटर इंटेलिजेंस विभाग के प्रमुख मेजर जनरल फैसल नसीर इस साजिश में शामिल थे। इमरान खान ने हमले के एक दिन बाद ही वजीराबाद में हुई फायरिंग के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और गृह मंत्री राना सनाउल्लाह के अलावा मे.ज. नसीर को भी दोषी ठहराया था। अब उन्होंने कहा है कि सेना का दूसरा अफसर खुद कंट्रोल रूम से हमले को निर्देशित कर रहा था, जिसका नाम वे जल्द ही बताएंगे। इस हमले में इमरान खान के पांव में कम से कम तीन गोलियां लगी थीं, जिससे उनके दाएं पांव की हड्डी टूट गई है।सरकार को भ्रम में डालने के लिए इमरान ने फिर बदली रणनीतिपाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) ने अपने ‘हकीकी (असली) आजादी मार्च’ यानी लॉन्ग मार्च को दो हिस्सों में बांटने के बाद फिर से शुरू कर दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई के मुखिया इमरान खान पैर में गोली लगने के बाद फिलहाल पूरी तरह स्वस्थ नहीं हैं, लेकिन उनका सरकार के खिलाफ तेवर और आक्रामक रूप से सामने आ रहा है। मार्च दोबारा शुरू करने से पहले उन्होंने ट्वीट करके समर्थकों से कहा है कि वह अब रास्ते में आने वाली सारी रुकावटों को हटा दें और सरकार को बता दें कि हम उनके हमलों के आगे झुकने या डरने वालों में नहीं हैं।समझा जाता है कि मार्च को दो हिस्सों में करने का फैसला लेने के पीछे पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान का मकसद लॉन्ग मार्च को लेकर सरकार को भ्रम में डाले रखना है। पिछले हफ्ते वजीराबाद में इमरान खान पर हुए हमले के बाद इस मार्च को रोक दिया गया था। उसके बाद इसे मंगलवार से दोबारा शुरू करने की घोषणा की गई थी, लेकिन बाद में इसे दो दिन के लिए टाल दिया गया था। पीटीआई ने कहा कि अब मार्च दो हिस्सों में आगे बढ़ेगा।पीटीआई के एलान के मुताबिक वजीराबाद से आगे बढ़ने वाले मार्च के एक हिस्से का नेतृत्व पार्टी उपाध्यक्ष और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी कर रहे हैं। मार्च के दूसरे हिस्से की शुरुआत शुक्रवार को टोबा टेक सिंह से हो गई है। यह मार्च झांग होते हुए पहले फैसलाबाद जाएगा। उसके आगे यह चकवाल पहुंचेगा, जहां दोनों दिशाओं से आ रहे मार्च मिल जाएंगे। फिर ये कारवां रावलपिंडी जाएगा।पीटीआई नेता फव्वाद चौधरी ने बताया है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अब सीधे रावलपिंडी पहुंचेंगे और वहां से मार्च का नेतृत्व संभालेंगे। लेकिन पार्टी ने यह नहीं बताया है कि मार्च रावलपिंडी कब पहुंचेगा और वहां से इस्लामाबाद के लिए कब कूच करेगा। इसके पहले पार्टी ने कहा था कि वह मार्च के असली कार्यक्रम के बारे में सरकार को अंधेरे में रखेगी। इसके लिए मार्च के रूट और समय के बारे में बार–बार बदलाव किया जाएगा।इस बीच सेना और सरकार पर दबाव बनाए रखने की रणनीति के तहत इमरान खान ने दावा किया है कि उन पर हुए हमले की साजिश में सेना का एक और अधिकारी शामिल था। इसके पहले वे इल्जाम लगा चुके हैं कि सेना के काउंटर इंटेलिजेंस विभाग के प्रमुख मेजर जनरल फैसल नसीर इस साजिश में शामिल थे। इमरान खान ने हमले के एक दिन बाद ही वजीराबाद में हुई फायरिंग के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और गृह मंत्री राना सनाउल्लाह के अलावा मे.ज. नसीर को भी दोषी ठहराया था। अब उन्होंने कहा है कि सेना का दूसरा अफसर खुद कंट्रोल रूम से हमले को निर्देशित कर रहा था, जिसका नाम वे जल्द ही बताएंगे। इस हमले में इमरान खान के पांव में कम से कम तीन गोलियां लगी थीं, जिससे उनके दाएं पांव की हड्डी टूट गई है।शरीफ सरकार और सेना ने इमरान खान के आरोपों का लगातार खंडन किया है। इसके बावजूद इमरान लगातार अपने आरोप को दोहरा रहे हैं। बुधवार को टर्की के टीवी चौनल टीआरटी को दिए इंटरव्यू में इमरान खान ने संकेतों में कहा कि मौजूदा राजनीतिक विवाद में सेना निष्पक्ष भूमिका नहीं निभा रही है। उन्होंने क्रिकेट में न्यूट्रल अंपायरों का जिक्र करते संकेतों में हुए कहा कि सेना को वैसी ही भूमिका निभानी चाहिए।राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि इमरान खान सेना के अफसरों पर लगातार निशाना साध ‘एस्टेब्लिशमेंट’ को बचाव की मुद्रा में बने रहने के लिए मजबूर करना चाहते हैं। पाकिस्तान में सेना और खुफिया तंत्र को एस्टेब्लिशमेंट के नाम से जाना जाता है। अकसर माना जाता है कि देश की असल सत्ता उनके ही हाथ में है। बीते अप्रैल में देश में सरकार बदलने की घटना के पीछे भी एस्टेब्लिशमेंट का हाथ माना गया था। तब से इमरान खान उसे खुली चुनौती देने की रणनीति पर चल रहे हैं।शरीफ सरकार और सेना ने इमरान खान के आरोपों का लगातार खंडन किया है। इसके बावजूद इमरान लगातार अपने आरोप को दोहरा रहे हैं। बुधवार को टर्की के टीवी चौनल टीआरटी को दिए इंटरव्यू में इमरान खान ने संकेतों में कहा कि मौजूदा राजनीतिक विवाद में सेना निष्पक्ष भूमिका नहीं निभा रही है। उन्होंने क्रिकेट में न्यूट्रल अंपायरों का जिक्र करते संकेतों में हुए कहा कि सेना को वैसी ही भूमिका निभानी चाहिए।राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि इमरान खान सेना के अफसरों पर लगातार निशाना साध ‘एस्टेब्लिशमेंट’ को बचाव की मुद्रा में बने रहने के लिए मजबूर करना चाहते हैं। पाकिस्तान में सेना और खुफिया तंत्र को एस्टेब्लिशमेंट के नाम से जाना जाता है। अकसर माना जाता है कि देश की असल सत्ता उनके ही हाथ में है। बीते अप्रैल में देश में सरकार बदलने की घटना के पीछे भी एस्टेब्लिशमेंट का हाथ माना गया था। तब से इमरान खान उसे खुली चुनौती देने की रणनीति पर चल रहे हैं।इस बीच सेना और सरकार पर दबाव बनाए रखने की रणनीति के तहत इमरान खान ने दावा किया है कि उन पर हुए हमले की साजिश में सेना का एक और अधिकारी शामिल था। इसके पहले वे इल्जाम लगा चुके हैं कि सेना के काउंटर इंटेलिजेंस विभाग के प्रमुख मेजर जनरल फैसल नसीर इस साजिश में शामिल थे। इमरान खान ने हमले के एक दिन बाद ही वजीराबाद में हुई फायरिंग के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और गृह मंत्री राना सनाउल्लाह के अलावा मे.ज. नसीर को भी दोषी ठहराया था। अब उन्होंने कहा है कि सेना का दूसरा अफसर खुद कंट्रोल रूम से हमले को निर्देशित कर रहा था, जिसका नाम वे जल्द ही बताएंगे। इस हमले में इमरान खान के पांव में कम से कम तीन गोलियां लगी थीं, जिससे उनके दाएं पांव की हड्डी टूट गई है।शरीफ सरकार और सेना ने इमरान खान के आरोपों का लगातार खंडन किया है। इसके बावजूद इमरान लगातार अपने आरोप को दोहरा रहे हैं। बुधवार को टर्की के टीवी चौनल टीआरटी को दिए इंटरव्यू में इमरान खान ने संकेतों में कहा कि मौजूदा राजनीतिक विवाद में सेना निष्पक्ष भूमिका नहीं निभा रही है। उन्होंने क्रिकेट में न्यूट्रल अंपायरों का जिक्र करते संकेतों में हुए कहा कि सेना को वैसी ही भूमिका निभानी चाहिए।राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि इमरान खान सेना के अफसरों पर लगातार निशाना साध ‘एस्टेब्लिशमेंट’ को बचाव की मुद्रा में बने रहने के लिए मजबूर करना चाहते हैं। पाकिस्तान में सेना और खुफिया तंत्र को एस्टेब्लिशमेंट के नाम से जाना जाता है। अकसर माना जाता है कि देश की असल सत्ता उनके ही हाथ में है। बीते अप्रैल में देश में सरकार बदलने की घटना के पीछे भी एस्टेब्लिशमेंट का हाथ माना गया था। तब से इमरान खान उसे खुली चुनौती देने की रणनीति पर चल रहे हैं।

MEDIA NEWS
झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक
आवश्यकता है
उत्तर प्रदेश व अन्य प्रदेश मे
कार्य करने हेतु लोगो की
आवश्यकता है
संपर्कः- 277/129 चकिया जगमल का हाता
जनपद प्रयागराज पिन कोड 211016
उत्तर प्रदेश
9918366626 , 9140343290

क्या रोहित की जगह टी20 में कप्तान बनेंगे हार्दिक पांड्या खतरे में इन खिलाड़ियों का भविष्य

टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में हारने के बाद टीम इंडिया टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है। इंग्लैंड से मिली हार के बाद भारतीय खिलाड़ियों की जमकर आलोचना हो रही है। यहां तक कि कई खिलाड़ियों को टीम से बाहर करने तक की मांग हो रही है। टी20 वर्ल्ड कप का अगला संस्करण 2024 में वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में होना है। उससे पहले टीम इंडिया की पूरी तरह बदलने की बात हो रही है।टी20 वर्ल्ड कप में हार के बाद टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। टी20 वर्ल्ड कप टीम में शामिल कई अनुभवी खिलाड़ी इस सीरीज में खेलते नहीं दिखाई देंगे। उन्हें आराम दिया गया है। हार्दिक पांड्या टी20 और शिखर धवन वनडे टीम की कमान संभालेंगे। हार्दिक इससे पहले आयरलैंड में टीम की कमान संभाल चुके हैं। उनकी कप्तानी में गुजरात टाइटंस की टीम अपने पहले ही सीजन में चौंपियन बनी थी। वहीं, ध्वन पिछले दो साल में कई वनडे सीरीज में कप्तानी संभाल चुके हैं। अभी तक रोहित शर्मा को किसी फॉर्मेट की कप्तानी से हटाने की बात तो नहीं हुई है, लेकिन यह कहा जा रहा है कि उनके ऊपर टी20 से संन्यास लेने का दबाव बढ़ गया है। रोहित के साथ–साथ कई सीनियर खिलाड़ियों का टी20 में भविष्य खतरे में हैं। इनमें केएल राहुल, विराट कोहली, रविचंद्रन अश्विन, भुवनेश्वर कुमार, दिनेश कार्तिक और मोहम्मद शमी हैं।

जहां तक कोहली की बात है तो उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में सर्वाधिक रन बनाए हैं, लेकिन राहुल और रोहित ने निराश किया है। हिटमैन ने एक अर्धशतक लगाया था। वहीं, राहुल के बल्ले से दो अर्धशतक निकले थे। इन तीनों को लेकर बीसीसीआई के ऊपर भी दबाव बन रहा है। बोर्ड का यह कहना है कि टी20 में खेलने को लेकर तीनों अनुभवी

खिलाड़ी खुद ही फैसला करेंगे।

अश्विन, कार्तिक और शमी का करियर टी20 में समाप्त माना जा रहा है। वहीं, भुवनेश्वर कुमार को न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुना गया है। अब भुवनेश्वर के हाथ में उनका करियर है। अगर वह अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो टीम में आगे बने रहेंगे नहीं तो बाहर उनका भी बाहर होना करीब–करीब तय है।

टी20 की कप्तानी की रेस में कौन–कौन?

अगर रोहित शर्मा खुद से टी20 नहीं खेलने का फैसला करते हैं तो चयनकर्ताओं को नया कप्तान ढूंढना होगा। फिलहाल केएल राहुल नियमित उपकप्तान हैं, लेकिन उनका फॉर्म उनके साथ नहीं है। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण अब तो टीम में उनकी जगह भी पक्की नहीं है। ऐसे में राहुल को अगला कप्तान बनाना मुश्किल होगा।

राहुल के बाद इस पद के दो बड़े दावेदार हार्दिक पांड्या और ऋषभ पंत हैं। दोनों ही आईपीएल में कप्तानी करते हैंऔर टीम इंडिया की कमान भी संभाल चुके हैं। पंत के साथ समस्या यह है कि उनका फॉर्म खराब है। साथ ही टी20 टीम में उनकी जगह भी पक्की नहीं है। वह एक विकेटकीपर के तौर पर भी टी20 टीम में खुद को साबित नहीं कर पाए हैं। टेस्ट और वनडे में पंत सबसे बेहतर विकेटकीपर, लेकिन टी20 में ऐसा नहीं है। कप्तानी में भी उनके ऊपर हार्दिक को तरजीह दी जा रही है। न्यूजीलैंड दौरे के लिए पंत उपकप्तान बनाए गए हैं। हार्दिक धीरे–ध ीरे नियमित कप्तानी की ओर बढ़ रहे हैं।

भारत की हार पर शोएब अख्तर को आया गुस्सा, बोले- अग्रेशन दिखाते, राउंड द विकेट आकर मुंह तोड़ते

भारत और पाकिस्तान के बीच मेलबर्न में टी20 वर्ल्ड कप फाइनल का सपना अधूरा रह गया। इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में भारत को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। अब 13 नवंबर को इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। टीम इंडिया की हार पर शोएब अख्तर का रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने भारतीय टीम के प्रदर्शन पर नाराजगी जाहिर की है। शोएब अख्तर ने तो यहां तक कह दिया कि टीम इंडिया पाकिस्तान से फाइनल में खेलने के लिए डिजर्व नहीं करती थी।शोएब अख्तर ने अपने यूट्यूब चौनल पर वीडियो शेयर किया। उन्होंने कहा– भारत ने बहुत गंदा खेला। वह हारना डिजर्व करता था। भारत ने बहुत गंदे तरीके से फेंटा खाया है। उनकी बॉलिंग बहुत बुरी तरह से एक्सपोज हुई है। भारत के पास सारे कंडीशन फास्ट बॉलर हैं। अगर कंडीशन उनके मुताबिक होती है तो वह अच्छी बॉलिंग करते हैं। भारत के पास कोई एक्स्ट्रा फास्ट बॉलर नहीं है। युजवेंद्र चहल भारत के मुख्य स्पिनर हैं, लेकिन पता नहीं उन्हें क्यों नहीं खिला रहे। भारत की टीम सेलेक्शन काफी कन्फ्यूज करने वाली है।शोएब अख्तर ने कहा– हम भारत से मेलबर्न में मिलना चाहते थे, लेकिन अब यह मुमकिन नहीं है। अब आप हमसे वैसे मिलने आ जाएं, हम हाजिर हैं, लेकिन यह बातें वर्ल्ड कप के बाद होंगी। भारत के लिए यह एक खराब दिन था। एडिलेड की विकेट अच्छी थी, लेकिन टॉस हारने के बाद टीम इंडिया निराश थी। मेरा मानना है कि कम से कम भारत को मैच में लड़ना चाहिए था। कुछ नहीं हो रहा था तो उनके गेंदबाज राउंड द विकेट आकर मुंह तोड़ते, कुछ झगड़ा होता, अग्रेशन दिखाते, लेकिन भारत ने हाथ खड़े कर दिए। सेमीफाइनल मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने भारत को 10 विकेट से हरा दिया। उसने 169 रन के लक्ष्य को बिना विकेट गंवाए ही हासिल कर लिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 168 रन बनाए। हार्दिक ने 33 गेंदों में 63 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। वहीं, विराट कोहली ने 50 रन बनाए। जवाब इंग्लैंड की टीम ने 16 ओवर में बिना किसी नुकसान के 170 रन बना लिए। इंग्लैंड के लिए एलेक्स हेल्स ने 47 गेंद पर नाबाद 86 रन बनाए। कप्तान जोस बटलर ने 49 गेंद पर 80 रन की पारी खेली।

2001 वर्कआउट के दौरान सिद्धांत सूर्यवंशी का हुआ निधन, टीवी इंडस्ट्री में शोक की लहर

टेलीविजन जगत से एक शॉकिंग खबर सामने आई है। एक्टर सिद्धांत वीर सूर्यवंशी ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। जानकारी के मुताबिक, सिद्धांत का निध न वर्कआउट करते समय हुआ है। अभिनेता महज 46 साल के थे और इंडस्ट्री में अच्छा काम कर रहे थे। सिद्धांत वीर सूर्यवंशी का यूं अचानक जाना टीवी जगत के लिए हैरान कर देने वाली खबर है। यह लंबे समय से इस इंडस्ट्री से जुड़े हुए थे और कई कलाकारों के साथ उनका संबंध अच्छा था। जानकारी के मुताबिक, सिद्धांत जब सुबह वर्कआउट कर रहे थे तभी अचानक उन्हें हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद अभिनेता को अस्पताल ले जाया गया। यहां पर डॉक्टरों की एक टीम ने सिद्धांत का करीबन 45 मिनट तक इलाज किया और उन्हें बचाने की कोशिश की गई। लेकिन डॉक्टर्स उन्हें बचाने में नाकामयाब रहे। इसके बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। बता दें कि 15 दिसंबर को अपना 47 वां जन्मदिन मनाने वाले थे। सिद्धांत वीर सूर्यवंशी के निधन की जानकारी जय भानुशाली ने एक सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर दी है। अभिनेता ने अपने दोस्त को याद करते हुए एक भावुक पोस्ट किया। जय भानुशाली ने सिद्धांत की तस्वीर अपनी इंस्टा स्टोरी पर लगाते हुए लिखा, श्भाई, तुम बहुत जल्दी चले गए।श

सिद्धांत वीर सूर्यवंशी टीवी के पॉपुलर अभिनेता थे लेकिन उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। मॉडलिंग में अच्छा खासा काम करने के बाद उन्होंने टीवी में कदम रखा। उनका डेब्यू टीवी सीरियल श्कुसुमश था। इस बाद सिद्धांत कई पॉपुलर टीवी सीरियल्स में नजर आए, जिसमें श्कसौटी जिंदगी कीश, श्कृष्णा अर्जुनश, श्क्या दिल में हैश जैसे सीरियल्स में नजर आए हैं।

सिद्धांत वीर सूर्यवंशी अपने काम से ज्यादा निजी जिंदगी की वजह से काफी चर्चा में रहे हैं। अभिनेता की दो शादियां हुई। उनकी पहली शादी इरा नाम की लड़की से हुई। हालांकि, दोनों का रिश्ते साल 2015 में टूट गया। इसके बाद सिद्धांत ने अलीसिया नाम की लड़की का हाथ थामा। सिद्धांत को पहली शादी की एक बेटी थी और दूसरी शादी से उन्हें एक बेटा हुआ। वह अपने दोनों बच्चों की देखभाल अलीसिया के साथ करते थे।

में सिद्धांत ने रखा था छोटे पर्दे पर कदम, ममता में अपने किरदार से हुए मशहूर

मनोरंजन जगत से शुक्रवार दोपहर एक दुखद खबर सामने आई है। टेलीविजन के मशहूर अभिनेता सिद्धांत वीर सूर्यवंशी का आज निध न हो गया है। अभिनेता के निधन की खबर सामने आते ही मनोरंजन जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। सामने आई जानकारी के मुताबिक जिम के वर्कआउट के दौरान एक्टर को दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद उनका निधन हो गया। सिद्धांत ने अपने अभिनय करियर के दौरान कई शोज में काम किए। तो चलिए जानते हैं एक्टर के करियर ग्राफ के बारे में–

सिद्धांत वीर सूर्यवंशी का जन्म 15 दिसंबर, 1975 में हुआ था। अभिनेता का असली नाम आनंद वीर सूर्यवंशी था, लेकिन अभिनेता ने हाल ही में अपना नाम बदलकर सिद्धांत वीर सूर्यवंशी कर लिया था। एक्टर अगले महीने ही अपना 47वां जन्मदिन मनाने वाले थे। सिद्धांत वीर सूर्यवंशी ने कई लोकप्रिय टीवी शो जैसे सूफियाना इश्क मेरा और क्यू रिश्तों में कट्टी बट्टी में अभिनय किया है। हालांकि, उन्हें लोकप्रियता जी टीवी के शो ममता में अक्षय की भूमिका से मिली। इस रोल के बाद उन्हें काफी लोग पसंद करने लगे थे। सिद्धांत ने साल 2001 में शो कुसुम के साथ अपना डेब्यू किया था।अभिनेता कृष्णा अर्जुन, कसौटी जिंदगी की, जमीन से आसमान तक, विरोध, भाग्यविधाता और क्या दिल में है जैसे शोज में भी नजर आ चुके हैं। इसके अलावा सिद्धांत कलर्स टीवी के स्पोर्ट्स शो बॉक्स क्रिकेट लीग में भी हिस्सा ले चुके हैं। साथ ही वह फियरफाइल्स और श्श्श... कोई है के कई एपिसोड में भी दिखाई दिए हैं।

झुग्गी झोपड़ी

सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित

सम्पादक
संजय कुमार यादव

RNI No.: UPHIN/2015/63182
दूरभाष : 0532-2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23
e-mail: Jhuggijhopari@gmail.com
Website- www.Jhuggijhopari.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा